राजस्थान की अर्थव्यवस्था
(Economy of Rajasthan)

14. कृषि : खाद्यान्न, वाणिज्य फसलें

❑ राजस्थान में कृषि गणना कब की जाती है-
[अन्वेषक - 27.12.2020][सहायक सांख्यिकी अधिकारी (25.08.2024)]
(1) प्रति 10 वर्ष (2) प्रति 5 वर्ष (3) प्रति 3 वर्ष (4) नियमित नहीं
Ans. (2)

व्याख्या – कृषि गणना हर 5 वर्ष में कृषि व सहकारिता विभाग करता है। गणना की संदर्भ अवधि जुलाई-जून है।

❑ राजस्थान की जनसंख्या का कितना प्रतिशत अपनी आजीविका के लिये कृषि और सहायक गतिविधियों पर निर्भर करता है- [LDC 23.10.16]
(1) 52% (2) 62% (3) 72% (4) 68%
Ans. (2)

व्याख्या – राज्य की लगभग 62 प्रतिशत जनसंख्या का जीविकोपार्जन का साधन कृषि है।

❑ राजस्थान में 'मानसून का जुआ' किसे कहा जाता है-
[पटवार परीक्षा – 2011]
(1) उद्योगों (2) कृषि (3) व्यापार (4) कोई नहीं
Ans. (2)

व्याख्या – पश्चिमी राजस्थान में इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना को छोड़कर सभी क्षेत्रों में कृषि मानसून पर निर्भर है। इसीलिए सम्पूर्ण देश एवं राजस्थान की कृषि को 'मानसून का जुआ' कहा जाता है। कुल कृषि का 65 प्रतिशत भाग खरीफ फसल के अंतर्गत आता है जो मुख्यतः वर्षा पर निर्भर है ।

❑ राजस्थान में .... सीजन की फसल होती है-
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]
(1) 3 (2) 4 (3) 5 (4) 6
Ans. (1)

व्याख्या–राजस्थान में कृषि वर्ष (1 जुलाई से 30 जून) को तीन सत्रों अर्थात रबी, खरीफ, जायद में विभाजित किया गया है।

❑ निम्न में कौनसी खरीफ की फसलें हैं–[AEN : 16.5.2014]
(1) चावल (2) गेहूँ (3) बाजरा (4) चना
(1) 1 व 4 (2) 2 व 3 (3) 1 व 3 (4) 1, 2, 3
Ans. (3)

व्याख्या- • रबी (उनालू) : शीतकालीन फसलें जो सामान्यतः नवम्बर में बोयी और मार्च-अप्रैल में काटी जाती है। चना, गेहूँ, सरसों, मसूर, जौ, जीरा, अलसी, तारामीरा, राई प्रमुख रबी फसलें है।
• खरीफ (सावणु/स्यालू) : ग्रीष्मकालीन फसलें जो सामान्यतः जून में बोयी और अक्टूबर में काटी जाती है, खरीफ के अंतर्गत आती है। ज्वार, बाजरा, ग्वार, मूँग, मोठ, मक्का, मूँगफली, कपास, तिल, सोयाबीन, चावल, अरण्डी प्रमुख खरीफ फसलें है।

❑ मोठ-ग्वार-बाजरा किस प्रकार की फसलें हैं?
[I Grade Teacher (GK) -17.10.2022]
(1) खरीफ (2) रबी (3) जायेद (4) नकद
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में कौनसी तिलहन की फसल रबी के मौसम में बोई जाती है? [VDO Mains -09.07.2022]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]
(1) सरसों (2) मूँगफली (3) सोयाबीन (4) तिल
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ रबी की फसल का उदाहरण है?
[REET (Level – I, S-I) –23.07.2022]
(1) मक्का (2) सोयाबीन (3) मूँगफली (4) अलसी
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ निम्नलिखित में से कौनसी एक खरीफ की फसल नहीं है? [वनपाल–06.11.2022(S-I)]
(1) गेहूँ (2) चावल (3) ज्वार (4) मक्का
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ 'रबी' की फसल है? [III Grade (English) -27.02.2023]
(1) जूट (2) गेहूँ (3) बाजरा (4) मूँगफली
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में निम्न में से कौनसी रबी मौसम की तिलहन फसलें हैं- [Asst. Professor- 7.1.2024]
(1) सरसों, तारामीरा एवं अलसी
(2) तिल, सोयाबीन, अरण्डी व मूँगफली
(3) सोयाबीन, सरसों एवं अरण्डी
(4) सरसों, मूँगफली, तिल एवं अलसी
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❐ राजस्थान में निम्नलिखित में से कौनसी रबी फसल नहीं है? [CET (10+2) : 23.10.2024 (S-I)]

(1) गेहूँ (2) जौ (3) सरसों (4) चावल

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ निम्न में से कौनसी एक 'रबी' की फसल नहीं है? [कनिष्ठ अनुदेशक -4.1.2025]

(1) जौ (2) बाजरा (3) दालें (4) गेहूँ

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में उगने वाली रबी की फसल है- [पशु परिचर-1.12.2024 (S-II)]

(1) मक्का (2) चावल (3) जौ (4) बाजरा

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ निम्न में से कौनसी राजस्थान की दो नकदी फसलें हैं? [CET-G - 27.09.2024 (S-I & II)]

(1) कपास और तम्बाकू (2) गेहूँ और चावल

(3) बाजरा और धनिया (4) जौ और तिलहन

Ans. (1)

व्याख्या - वे फसलें जो स्वयं के उपभोग के लिए काम में नहीं लेकर बाजार में बेचकर लाभ उठाने के उद्देश्य से उगाई जाती है नकदी फसलें कहलाती हैं। कपास, तम्बाकू, गन्ना व रतनजोत इसी श्रेणी की फसलें हैं।

❐ निम्नलिखित में से राजस्थान में जायद की फसल की अवधि कौनसी है? [II Grade GK - 22.12.2022] [III Grade (Hindi) -26.02.2023]

(1) जनवरी से अप्रैल (2) मार्च से जून

(3) सितम्बर से दिसम्बर (4) अगस्त से नवम्बर

Ans. (2)

व्याख्या - जायद (चौमासा) फसल *- पानी की उपलब्धता वाले राज्य के कुछ क्षेत्रों में एक तीसरी फसल भी मार्च से जून के मध्य ली जाती है, जिसे 'जायद' कहते हैं। इसमें तरबूज, खरबूजा, ककड़ी व तरकारियाँ पैदा की जाती है।*

❐ कौनसी फसल, राजस्थान में ज़ायद के मौसम में उत्पादित नहीं की जाती है? [CET : 08.01.2023 (S-II)]

(1) तरबूज (2) खरबूजा (3) ककड़ी (4) सोयाबीन

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में 'वालरा' कृषि का एक प्रकार है- [III Grade (L-I) -25.2.2023][राज.पुलिस कॉन्स्टेबल-6.11.2020 (I)] [कॉलेज व्याख्याता-2016][कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर)- 26.3.2019] [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020

(1) स्थानांतरित कृषि (2) शुष्क कृषि

(3) आर्द्र एवं शुष्क कृषि (4) पर्वतीय कृषि

Ans. (1)

व्याख्या -झूमिंग कृषि [Shifting Farming] *: पहाड़ी व वन क्षेत्रों में वन एवं पेड़-पौधों को जलाकर जमीन को साफ करना तथा उस पर 2-3 वर्ष खेती करने के पश्चात् उसे छोड़कर किसी अन्य स्थान पर इसी तरह कृषि कार्य करना। आदिवासी क्षेत्रों (डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर, सलूम्बर आदि) में इस कृषि को 'वालरा' कहते है। भीलों द्वारा पहाड़ी ढालों पर की जाने वाली खेती* ***चिमाता*** *तथा मैदानी भागों पर वृक्षों को जलाकर की जाने वाली खेती* ***दाजिया (झूमटी)*** *कहलाती है।*

❐ राजस्थान में वनों को काटकर व जलाकर की जाने वाली कृषि कहलाती है? [VDO Mains -09.07.2022]

(1) कछाबू (2) पाल (3) वालरा (4) गमेती

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ दक्षिणी राजस्थान में 'स्लैश तथा बर्न' कृषि को जिस नाम से जाना जाता है, वह है- [PTI -30.9.2018]

(1) ब्रिंगा (2) वालरा (3) झूमिंग (4) देप्पा

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में कौनसे जिले 'वालरा' कृषि पद्धति से संबंधित है- [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021] [PTI (Grade-II)-30.04.2023][Police Constable -2006-07]

(1) उदयपुर, बीकानेर, जोधपुर (2) सीकर, झुन्झुनूँ, नागौर

(3) डूँगरपुर, भरतपुर, धौलपुर (4) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में भील जनजाति द्वारा मैदानी भागों में की जाने वाली कृषि कहलाती है- [II Grade (S-I) -29.1.2023]

(1) चिमाता (2) दजिया (3) दापा (4) कछावू

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ भील जनजाति द्वारा पहाड़ी ढालों पर की जाने वाली स्थानान्तरित कृषि कहलाती है- [III Grade (SST) -26.02.2023][सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021]

(1) दजिया (2) चिमाता (3) दिप्पा (4) दहिया

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ भील और गरासिया स्थानीय जनजातियाँ हैं जो मध्य माही-छप्पन बेसिन में स्थानांतरित खेती का व्यवसाय करती हैं, उन्हें.....के रूप में जाना जाता है- [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]

(1) हाड़ौती (2) वांगड़ (3) वालरा (4) झामरी

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

☐ राजस्थान में शुष्क खेती उन भागों में की जाती है, जहाँ- [Agriculture Officer : 29.01.2013]

(1) वर्षा 50 सेमी. से कम हो (प्रतिवर्ष)
(2) ड्रमिंग प्रणाली प्रचलित हो
(3) वर्षा 100 सेमी. होती हो (प्रतिवर्ष)
(4) वर्षा 100 सेमी. से अधिक हो (प्रतिवर्ष)

Ans. (1)

> *व्याख्या- शुष्क या बारानी कृषि [Dry Farming] में वर्षा की अल्पता (50 सेमी से कम) के कारण वर्षा जल का सुनियोजित संरक्षण व उपयोग कर कम पानी व शीघ्र पकने वाली फसलों की कृषि की जाती है। राजस्थान पश्चिमी भाग में शुष्क खेती प्रचलित है।*

☐ राजस्थान के किस भाग में शुष्क खेती प्रचलित है? [Fireman Exam -29.1.2022]

(1) पूर्वी भाग में (2) दक्षिणी भाग में
(3) दक्षिण-पूर्वी भाग में (4) पश्चिमी भाग में

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

☐ किन फसलों के उत्पादन में राजस्थान का भारत में प्रथम स्थान है? [REET (Level – II, S-II) –23.07.2022]

(1) सरसों, चना, मोठ (2) ईसबगोल, जीरा, ज्वार
(3) चना, मूँग, उड़द (4) मूँग, मक्का, बाजरा

Ans. (1)

> *व्याख्या - बाजरा, राई, सरसों, कुल दलहन (चना, मोठ), ग्वार आदि के उत्पादन में राजस्थान का भारत में प्रथम स्थान है।*

☐ निम्न में राजस्थान भारत में कौनसी फसल का सर्वाधिक उत्पादक राज्य है- [REET L-II, 26.09.2021]

(1) मक्का (2) मूँगफली (3) सरसों (4) कपास

Ans. (3)

> *व्याख्या - वर्तमान में सरसों उत्पादन में राजस्थान का भारत में प्रथम स्थान है। इस फसल के प्रमुख उत्पादक जिले गंगानगर, भरतपुर, अलवर, खैरथल- तिजारा, डीग, सवाईमाधोपुर, टोंक, बारां, जयपुर, नागौर, कोटा आदि है। इस फसल की पैदावार में सर्वाधिक बढ़ोतरी हुई है।*

☐ राजस्थान में राई-सरसों के सबसे बड़े उत्पादक हैं- [LDC -19.8.2018] [JEN Degree (TSP) - 16.10.2016] [CET : 07.01.2023 (S-II)] [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020] [II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]

(1) कोटा, जयपुर, धौलपुर (2) अजमेर, पाली, दौसा
(3) टोंक, बूँदी, जालौर (4) अलवर, भरतपुर, श्रीगंगानगर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

☐ इनमें से किस जिले में चावल का उत्पादन होता है? [RPSC LDC Exam. 2012]

(1) भीलवाड़ा (2) टोंक (3) बूँदी (4) धौलपुर

Ans. (3)

> *व्याख्या-राजस्थान में प्रमुख चावल उत्पादित जिले बूँदी, हनुमानगढ़, कोटा, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, उदयपुर, सलूम्बर, बारां है।*

☐ राजस्थान के अधिकतम सोयाबीन उत्पादक जिले हैं? [Head Master -11.10.2021] [III Grade (SST) -26.02.2023] [LDC., 2012] [JEN (Mech.) Degree (TSP) - 16.10.2016]

(1) जयपुर, अजमेर, नागौर (2) कोटा, बूँदी, बारां
(3) जोधपुर, पाली, सिरोही (4) अलवर, भरतपुर, दौसा

Ans. (2)

> *व्याख्या - यह फसल मुख्यतः हाड़ौती क्षेत्र यथा - झालावाड़, बारां, प्रतापगढ़, कोटा, बूँदी आदि जिलों में बोयी जाती है। सोयाबीन के उत्पादन व क्षेत्रफल दोनों ही दृष्टि से देश में मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के बाद राजस्थान का तीसरा स्थान है।*

☐ राजस्थान में सोयाबीन उत्पादक प्रमुख क्षेत्र है - [CET : 08.01.2023 (S-I)]

(1) अर्द्धशुष्क (2) हाड़ौती पठार
(3) माही बेसिन (4) पूर्वी मैदान

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

☐ राजस्थान में सन्तरा उत्पादन के लिये छोटा नागपुर के नाम से जाने वाला जिला कौन-सा है? [PSI - 15.09.2021] [जेल प्रहरी- 2017] [PTI (Gr.-III)-25.9.2022] [Police Constable- 2013] [पटवार- 2011]

(1) कोटा (2) झालावाड़ (3) चित्तौड़गढ़ (4) उदयपुर

Ans. (2)

> *व्याख्या - सन्तरा उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान में झालावाड़ का प्रथम स्थान है।*

☐ राजस्थान में जीरा के प्रमुख उत्पादक जिले हैं- [REET L-II, 26.09.2021]

(1) बारां, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ (2) अलवर, जयपुर, नागौर
(3) गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर (4) जालोर, जोधपुर, बाड़मेर

Ans. (4)

Scanned with OKEN Scanner

❒ राजस्थान का कौनसी खाद्यान्न फसल के उत्पादन में भारत में प्रथम स्थान है? [ग्राम सेवक परीक्षा, 2008] [II Grade (Social Study) 2011][R.A.S. Pre 2003]
(1) मक्का (2) जौ (3) ज्वार (4) बाजरा
Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान बाजरे का देश में सबसे बड़ा उत्पादक (1/5 कृषित क्षेत्रफल) है। राजस्थान का सर्वाधिक बाजरा उत्पादक जिला अलवर है।

❒ निम्नलिखित में से कौनसा राज्य बाजरा के उत्पादन में प्रथम स्थान पर है- [छात्रावास अधीक्षक -28.07.2024 [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I), 08.11.2020 (II)]]
(1) मध्यप्रदेश (2) आंध्रप्रदेश (3) गुजरात (4) राजस्थान
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौनसी खरीफ फसल तथा उसके प्रमुख उत्पादक जिले सही सुमेलित है? [Assist. Professor-8.9.2024]
(1) गेहूँ-गंगानगर, हनुमानगढ़ तथा बाराँ
(2) मक्का - सीकर, जालौर तथा धौलपुर
(3) बाजरा - अलवर, बाड़मेर तथा जयपुर
(4) कपास - धौलपुर, जालौर तथा प्रतापगढ़
Ans. (3)

❒ कौनसी बाजरे की शंकर प्रजाति ICAR द्वारा राजस्थान के लिए प्रस्तावित नहीं है? [Stenographer-15.10.2024]
(1) PEHM 1 (2) RHB 121
(3) RHB 127 (4) HHB 67
Ans. (1)

❒ राजस्थान के किस शहर में कृषि विश्वविद्यालय है? [R.A.S-2003] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022]
(1) उदयपुर (2) जयपुर (3) बीकानेर (4) टोंक
Ans. (3)

व्याख्या-स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में स्थित है।

❒ 'बजेड़ा' किसे कहते हैं? [Police Constable- 2013]
(1) धान की फसल (2) एक विशिष्ट प्रकार का गोटा
(3) पान का खेत (4) विवाह की एक रस्म
Ans. (3)

व्याख्या - करौली-सवाईमाधोपुर क्षेत्र में पान की खेती में घास-फूस के छपरे बनाए जाते हैं, जिन्हें 'बजेड़ा/भजेड़ा' कहते हैं।

❒ किस फसल की खेती हेतु 15 से 24 डिग्री से. तापमान एवं 100 से 200 सेमी. वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है? [RPSC A/c-1992]
(1) कपास (2) गन्ना (3) चना (4) बाजरा
Ans. (2)

व्याख्या - गन्ना के लिए 100 से 200 सेमी. वर्षा तथा 15 डिग्री से 25 डिग्री से. तापमान की आवश्यकता होती है। कच्छारी, दोमट तथा लावा मिट्टी पर पैदा होने वाली इस फसल में हरी खाद, गोबर व कम्पोस्ट खाद का प्रयोग किया जाता है।

❒ राजस्थान का कौनसा जिला अधिकतम मात्रा में 'ईसबगोल' पैदा करता है? [RAS Pre. Exam-2009]
(1) झालावाड़ (2) जालोर (3) सिरोही (4) बूँदी
Ans. (2)

व्याख्या- राजस्थान के पश्चिमी भाग जालोर, बाड़मेर, नागौर, पाली, जोधपुर, फलौदी, बालोतरा, डीडवाना-कुचामन आदि जिलों में इसकी खेती की जाती है। स्थानीय भाषा में ईसबगोल को 'घोड़ा जीरा' कहा जाता है।

❒ निम्नलिखित में से राजस्थान का कौनसा क्षेत्र एक महत्त्वपूर्ण 'ईसबगोल' उत्पादक क्षेत्र है- [CET (10+2) : 22.10.2024 (S-II)]
(1) बाड़मेर (2) जोधपुर (3) जयपुर (4) कोटा
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ रामगंज मंडी, जिसे धनिया शहर के नाम से जाना जाता है, निम्नलिखित में से राजस्थान के किस शहर के नजदीक स्थित है? [CET-G (S-I) - 27.09.2024]
(1) जोधपुर (2) उदयपुर (3) श्रीगंगानगर (4) कोटा
Ans. (4)

❒ ज्वार उत्पादक जिले हैं-[स्कूल व्याख्याता -20.10.2022]
(1) गंगानगर-हनुमानगढ़ (2) अजमेर-नागौर
(3) डूँगरपुर-बाँसवाड़ा (4) बाड़मेर-जैसलमेर
Ans. (2)

व्याख्या - ज्वार - शुष्क कटिबंधीय प्रदेश की इस उपज को सोरगम तथा गरीब की रोटी भी कहा जाता है। इस फसल के लिए कम से कम 50 सेमी. वर्षा तथा 21 डिग्री से 27 डिग्री से. तापमान की आवश्यकता होती है। राज्य की अधिकांशतः ज्वार मध्य एवं पूर्वी भागों यथा - अजमेर, पाली, चित्तौड़गढ़, नागौर, बूँदी, कोटा, सवाईमाधोपुर, बारां, करौली, झालावाड़, टोंक, अलवर, ब्यावर, डीडवाना-कुचामन एवं खैरथल-तिजारा आदि जिलों में होती है।

Scanned with OKEN Scanner

❑ राजस्थान के जिस स्थान पर सीताफल उत्कृष्टता केन्द्र का लोकार्पण हुआ है, वह है-
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
(1) चित्तौड़गढ़ (2) राजसमंद (3) बाँसवाड़ा (4) डूँगरपुर
Ans. (1)

व्याख्या *– चित्तौड़गढ़ में 'बालानगर किस्म' के सीताफल तैयार करने हेतु सीताफल उत्कृष्टता केन्द्र खोलने की घोषणा की गई है।*

❑ राजस्थान में कृषि भूमि के स्वामित्व सम्बन्धी जानकारी हेतु कौनसी ऐप विकसित की गई है-
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
(1) किसान ऐप(2) भूमि ऐप(3) पटवारी ऐप (4) धरा ऐप
Ans. (4)

व्याख्या*-राजस्थान में धरा ऐप जमाबन्दी एवं गिरदावरी की सत्यापित व सामान्य नकल प्राप्त करने हेतु विकसित की गई है।*

❑ 'बीकानेरी नरमा एवं मालवी'....की किस्में हैं-
[JEN (यांत्रिकी)-13.12.2020][Lab Assistent (Sci.) -28.6.2022]
[CET-G (S-I) - 27.09.2024][III Grade (Hindi) -26.02.2023]
(1) गेहूँ (2) कपास (3) मक्का (4) मूँगफली
Ans. (2)

व्याख्या *– कपास की उन्नत किस्मों में बीकानेरी नरमा, गंगानगर अगेती, मालवी, वराह लक्ष्मी, वीरनार प्रमुख हैं।*

❑ वीरनार, वराह लक्ष्मी और संकर-4 किस फसल की विकसित नस्लें हैं- [II Grade (Sans. Dept.)-29.12.2024]
(1) मूँगफली (2) चना (3) कपास (4) सरसों
Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान के किस जिले में सर्वाधिक गेहूँ पैदा होता है ? [R.A.S-2003][PSI (मोटर वाहन) - 12.02.2022]
[CET-G (S-I) - 27.09.2024]
(1) उदयपुर (2) जैसलमेर (3) गंगानगर (4)जोधपुर
Ans. (3)

व्याख्या *– यह शीतोष्ण जलवायु का पौधा है। गेहूँ मुख्य रूप से राजस्थान के हनुमानगढ़ (**वर्तमान में प्रथम**), गंगानगर, अलवर, जयपुर, कोटा, खैरथल- तिजारा आदि जिलों में उगाया जाता है। राजस्थान में गेहूँ की प्रमुख किस्में **मैक्सिकन सोना, कल्याण सोना, शरबती सोना**, 'ट्रीटीकम वलगेपर' तथा **कोहीनूर** है।*

❑ राजस्थान के किन जिलों में 'किन्नू' का अधिकतम उत्पादन होता है? [कृषि पर्यवेक्षक- 3.3.2019]
(1) जयपुर व अजमेर (2) गंगानगर व हनुमानगढ़
(3) दौसा व सवाई माधोपुर (4) डूँगरपुर व बांसवाड़ा
Ans. (2)

व्याख्या : *किन्नू, माल्टा, मौसमी का उत्पादन गंगानगर, हनुमानगढ़ जिलों में होता है।*

❑ राजस्थान का अन्न भण्डार/खाद्य की टोकरी कहलाने वाला जिला है?[CET-G (S-I) - 27.09.2024][LDC 1999]
[S.I. Exam, 1998] [राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]
(1) जयपुर (2) कोटा (3) भरतपुर (4) गंगानगर
Ans. (4)

❑ इजराइल की सहायता से राजस्थान के शुष्क प्रदेशों में जिस फसल को बोया गया, वह है?[RAS-1995]
(1) सूर्यमुखी (2) सोयाबीन (3) बाजरा (4) होहोबा
Ans. (4)

व्याख्या *– **जोजोबा/होहोबा** – इसका वैज्ञानिक नाम Simmondesia Chinensis है। **'पीले सोने/डेजर्ट गोल्ड'** के नाम से प्रसिद्ध इस इजरायली झाड़ी की खेती इजराइल की सहायता से **एजोर्प** (Association of the Rajasthan Zozoba Plantation & Research Project) द्वारा राजस्थान के शुष्क प्रदेशों में की जा रही है।*

❑ किस खुशबूदार उपज के लिए नागौर प्रसिद्ध है ?
[R.A.S. Pre Exam, 2007]
(1) जीरा (2) मैथी (3) लहसुन (4) धनिया
Ans. (2)

व्याख्या *– राजस्थान में नागौर, डीडवाना-कुचामन की मैथी व पोदीना, बूँदी का बासमती चावल विशेष प्रसिद्ध है।*

❑ वह जिला जो अब ईसबगोल, जीरा व टमाटर की उपज के लिए प्रसिद्ध है? [R.A.S. Pre Exam, 1998]
(1) गंगानगर (2) बूँदी (3) जालौर (4) कोटा
Ans. (3)

व्याख्या*-राजस्थान के जालौर व सिरोही जिले ईसबगोल, जीरा व टमाटर की खेती के लिए जाने जाते हैं।*

❑ बायो डीजल के लिए किस पौधे की खेती की जा रही है?[Police Constable-2007(III)][LDC - 11.01.2014]
(1) जट्रोफा (रतनजोत) (2) सोनामुखी
(3) ग्वारपाठा (4) सफेद मूसली
Ans. (1)

Scanned with OKEN Scanner

व्याख्या - **रतनजोत** : सॉफ्टवेयर क्षेत्र की नामी कंपनी आई के एफ टैक्नोलॉजी ने उदयपुर में कालरावास में रतनजोत से बायोडीजल रिफाइनरी प्लांट स्थापित किया है। यह राज्य का पहला कॉमर्शियल बायोडीजल प्लांट है। इसके साथ झामरकोटड़ा में राजस्थान स्टेट माइंस एंड मिनरल्स लि. ने रतनजोत के बीजों से बायोडीजल प्लांट लगाया है। ज्ञातव्य है कि रतनजोत का पौधा राजस्थान के कई जिलों (राजसमंद, डूँगरपुर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, सलूम्बर आदि) में पाया जाता है।

❒ खरीफ उत्पादन में प्रमुख स्थान किस फसल का है?
[ग्राम सेवक परीक्षा, 2008]
(1) चावल (2) गेहूँ (3) मोठ (4) बाजरा
Ans. (1)

व्याख्या - चावल की खेती पौधरोपण विधि तथा दाने बिखेर कर दोनों प्रकार से की जाती है। राजस्थान में प्रमुख चावल उत्पादित जिले हनुमानगढ़, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, उदयपुर, कोटा, बूँदी, बारां तथा सलूम्बर है।

❒ राज्य में प्रमुख चावल उत्पादक जिले हैं
[Motor Veh. SI, 2002]
(1) श्रीगंगानगर, जयपुर, अजमेर
(2) कोटा, बारां, बूँदी, बाँसवाड़ा
(3) हनुमानगढ़, नागौर, जोधपुर
(4) गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 'बासमती' किस्म है- [Police Constable Ex- 2001]
(1)गेहूँ की (2)चावल की(3) सरसों-चावल(4)गेहूँ-चावल
Ans. (2)

व्याख्या - चावल की प्रमुख किस्में चम्बल, रतना, परमल, बासमती, माही-सुगन्ध, जया है।

❒ 'चम्बल' और 'माही सुगंधा' किस फसल की उन्नत किस्में हैं? [VDO Mains -09.07.2022]
[वनपाल-06.11.2022(S-II)][Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) चना (2) सरसों (3) चावल (4) गन्ना
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान के किस जिले में कपास का सर्वाधिक उत्पादन होता है-[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]
[CET-G (S-II) - 28.09.2024][Police Constable Exam- 2013]
(1) अजमेर (2) कोटा (3) गंगापुर (4) श्रीगंगानगर
Ans. (4)

व्याख्या - कपास का सर्वाधिक मात्रा में उत्पादन क्रमशः हनुमानगढ़ (30%), गंगानगर, जोधपुर, फलौदी जिले में होता है।

❒ राजस्थान में दो प्रमुख कपास उत्पादक जिले हैं-
[Asstt. Agriculture Officer Exam- 31.05.2019]
(1) अलवर एवं भरतपुर (2) कोटा एवं बारां
(3) जयपुर एवं दौसा (4) गंगानगर एवं हनुमानगढ़
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नलिखित में से कौनसा जिला राज्य के कुल उत्पादन का 30% कपास का उत्पादन करता है?
[EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]
(1) हनुमानगढ़ (2) बूँदी (3) टोंक (4) पाली
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में अमेरिकन कपास का उत्पादन किस जिले में होता है? [RPSC III Grade Tea Ex-2004]
[राज.पुलिस कॉन्स्टेबल-14.6.2024 (I)] [Stenographer : 30.5. 2013]
(1) गंगानगर (2) हनुमानगढ़ (3) जोधपुर (4) बीकानेर
Ans. (1)

व्याख्या-राजस्थान में तीन प्रकार की कपास बोयी जाती है-**देशी कपास** (उदयपुर, सलूम्बर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ तथा बाँसवाड़ा), **अमरीकी कपास** -बीकानेरी नरमा, गंगानगर अगेती (**गंगानगर**, हनुमानगढ़, बाँसवाड़ा), **मालवी कपास** (कोटा, बूँदी, टोंक, बाँसवाड़ा, झालावाड़) आदि।

❒ राजस्थान में अमेरिकन कपास का उत्पादन किन जिलों में होता है? [प्रयोगशाला सहायक 13.11.16]
[JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]
(1) कोटा, बूँदी, बाराँ
(2) झालावाड़, अजमेर, सिरोही
(3) राजसमन्द, उदयपुर, चित्तौड़गढ़
(4) हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बाँसवाड़ा
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ गंगानगर-अगेती....की फसल है?[वनपाल-6.11.2022(I)]
(1) गेहूँ (2) कपास (3) किन्नु (4) चावल
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौनसी फसल 'सफेद सोना' के नाम से जानी जाती है। [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019]
(1) सोयाबीन (2) तम्बाकू (3) कपास (4) गेहूँ
Ans. (3)

Scanned with OKEN Scanner

❑ राजस्थान में मिश्रित लाल और काली मिट्टी में सामान्यतः कौन-सी फसलें उगाई जाती हैं- [JEN Diploma (TSP) - 16.10.2016][पटवार - 2011]

(1) चावल, गन्ना (2) मूँगफरी, सरसों
(3) कपास, मक्का (4) गेहूँ, चना

Ans. (3)

व्याख्या - कपास फसल हेतु 50 से 100 सेमी. वर्षा तथा 20 डिग्री से 40 डिग्री से. तापमान एवं इस फसल के लिए काली तथा आर्द्रतापूर्ण मिट्टी उपयुक्त रहती है।

❑ 20^0 से 30^0 C तापमान व 90 दिन पाला रहित कौनसी फसल की अच्छी गुणवत्ता के उत्पादन के लिए आवश्यक है? [III Grade (Urdu) -28.02.2023]

(1) गेहूँ (2) सरसों (3) चना (4) कपास

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ कपास की कृषि के लिए 'काली मिट्टी' आदर्श मानी जाती है: [RPSC LDC - 11.01.2014]

(1) ये अधिक आर्द्रता ग्राही होती है।
(2) ये काले रंग की होती है।
(3) ये लावा से बनी होती है।
(4) ये पठारी भागों में पायी जाती है।

Ans. (1)

व्याख्या - कपास की फसल को अधिक पानी की आवश्यकता होती है। काली मिट्टी आर्द्रताग्राही होने के कारण आदर्श मानी जाती है।

❑ राजस्थान की प्रमुख नकदी फसल है?[ग्रामसेवक, 2008]

(1) गेहूँ (2) बाजरा (3) कपास (4) चावल

Ans. (3)

व्याख्या - नकदी फसल कपास को ग्रामीण भाषा में 'बणीयां' कहा जाता है।

❑ राज्य में प्रमुख चना उत्पादक जिले हैं? [Jr. A/c-1994]

(1)श्रीगंगानगर,जयपुर,अजमेर(2)बीकानेर, हनुमानगढ़, चूरू
(3) हनुमानगढ़,नागौर,जोधपुर(4)गंगानगर,हनुमानगढ़, नागौर

Ans. (2)

व्याख्या-इसका उत्पादन हनुमानगढ व चूरू (सर्वाधिक), बीकानेर, जैसलमेर, गंगानगर, अलवर, कोटा, जयपुर, सवाईमाधोपुर, खैरथल- तिजारा आदि जिलों में होता है। राजस्थान का चना उत्पादन में तीसरा स्थान पर है।

❑ राजस्थान का कौनसा जिला चने का सबसे बड़ा उत्पादक है- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)] [राज.पुलिस कॉन्स्टेबल-13.06.2024 (II)] [PTI (Grade-III)-25.9.2022]

(1) हनुमानगढ़ (2) जयपुर (3) उदयपुर (4) झालावाड़

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ चना उत्पादन में राजस्थान का भारत में स्थान है- [Stenographer Exam : 30.05. 2013]

(1) प्रथम (2) द्वितीय (3) तृतीय (4) चतुर्थ

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ सर्वाधिक तेल किसके बीजों में पाया जाता है? [II Grade (Social Study) Exam. 2011]

(1) मूँगफली (2) सरसों (3) सोयाबीन (4) अरण्डी

Ans. (4)

व्याख्या - अरण्डी का तेल जलाने, साबुन व दवाईयाँ बनाने के काम में आता है।

❑ राजस्थान में दमश्क गुलाब (चैती गुलाब) की खेती निम्न में से कहाँ होती है? [P. Cont.-2006-07]

(1) पुष्कर (2) खमनौर (3) ब्यावर (4) देवगढ़

Ans. (2)

व्याख्या - चैती गुलाब की खेती राजस्थान में,खमनौर (राजसमंद) व नाथद्वारा में की जाती है। हाल ही में पुष्कर में फूल मंडी विकसित की जा रही है।

❑ औषधीय महत्त्व की सोनामुखी पत्तियों का निर्यात किस जिले से होता है? [Police Constable-2006-07]

(1) उदयपुर (2) जोधपुर (3) हनुमानगढ़ (4) अजमेर

Ans. (2)

व्याख्या - सोनामुखी की पत्तियों का सर्वाधिक उत्पादन जोधपुर में होता है।

❑ राजस्थान में भूमि की उर्वरता बढ़ाने के लिए कौनसी फसल उगाई जाती है? [R.A.S. Pre (cancelled) 1999]

(1) गेहूँ (2) चावल (3) उड़द (4) गन्ना

Ans. (3)

व्याख्या - भूमि की उर्वरता को बढ़ाने के लिए उड़द की फसल उगाई जाती है।

❑ ......जिले में तम्बाकू की खेती प्रमुख रूप से की जाती है? [III Grade (Urdu) -28.02.2023]

(1) अलवर (2) धौलपुर (3) पाली (4) सिरोही

Ans. (1)

Scanned with OKEN Scanner

❐ **राजस्थान में अफीम का उत्पादन किन जिलों में होता है?** [II Grade-2010][Librarian Gr-III - 13.11.2016] [II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)]

(1) सिरोही, जालौर, बाड़मेर (2) सिरोही, भीलवाड़ा, उदयपुर
(3) झालावाड़,कोटा, चित्तौड़गढ़ (4) अलवर, भरतपुर, कोटा

Ans. (3)

व्याख्या - राजस्थान के कोटा, झालावाड़, चित्तौड़गढ़ आदि जिलों में अफीम की खेती की जाती है। यह एक मादक पदार्थ है जिसका उत्पादन अफीम के पौधे के फल से निकलने वाले दूध से होता है।

❐ **राजस्थान में निम्नलिखित में से किस जिले में अफीम का सर्वाधिक उत्पादन होता है-** [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]

(1) गंगानगर (2) हनुमानगढ़ (3) चित्तौड़गढ़ (4) चूरू

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान में मक्का की खेती के प्रमुख जिले हैं -** [CET : 08.01.2023 (S-I)] [कृषि पर्यवेक्षक- 18.9.2021] [पटवार- 2011]

(1) उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़
(2) अलवर, भरतपुर, दौसा
(3) बारां, कोटा, बूँदी (4) झुंझुनूँ, अजमेर, टोंक

Ans. (1)

व्याख्या - मक्का राजस्थान के दक्षिण-दक्षिणी पूर्वी क्षेत्रों में राजसमंद, उदयपुर, भीलवाड़ा, बाँसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सलूम्बर आदि जिलों में उत्पादित होती है। मक्का की प्रमुख किस्में माही कंचन (कृषि अनुसंधान केन्द्र बाँसवाड़ा द्वारा विकसित), नवजोत, माही धवल, विजय आदि है।

❐ **राजस्थान में माही कंचन, माही धवल और मेघा किस्में हैं-** [CET -4.2.2023 (S- II)] [स्कूल व्याख्याता परीक्षा-2014] [JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]

(1) मक्का (2) चना (3) गेहूँ (4) चावल

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कृषि अनुसंधान केन्द्र, बाँसवाड़ा विकसित संकर किस्म माही कंचन किस फसल से संबंधित है-** [JEN (Civil) Degree 12.09.2021] [Lab Assistent (Science) -29.06.2022]

(1) मक्का (2) ज्वार
(3) गेहूँ (4) चावल

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मक्का राजस्थान के किस हिस्से में अधिक मात्रा में पैदा होती है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.06.2024 (II)] [सांख्यिकी अधिकारी-25.02.2024]

(1) दक्षिणी और दक्षिणी पूर्वी (2) मध्य पूर्व
(3) पूर्वी (4) उत्तरी

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **कौन-सा असत्य है?** [बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक -18.06.2022]

(1) यांत्रिक कृषि गंगानगर जिले में प्रचलित है।
(2) आर्द्र दक्षिण पूर्वी मैदान सोयाबीन की खेती के लिए उपयुक्त हैं।
(3) माही -कंचन राजस्थान में चावल की उच्च उत्पादकता देने वाली किस्म है।
(4) सूरतगढ़ कृषि फार्म की स्थापना रूस की सहायता से की गई है।

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मक्का राजस्थान के मुख्यत: कौन से भाग से उत्पादित किया जाता है-** [CET : 07.01.2023 (S-1)] [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) उत्तरी क्षेत्र (2) उत्तरी - पश्चिमी क्षेत्र
(3) दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र (4) दक्षिण-दक्षिण पूर्वी क्षेत्र

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के किस क्षेत्र में सर्वाधिक मक्का उत्पादन होता है?** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019] [Lab Assistent (Science) -29.06.2022]

(1) मेवाड़ (2) मारवाड़ (3) गोडवार (4) ढूंढाड़

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **राजस्थान के किस संभाग में सर्वाधिक मक्का का उत्पादन होता है?** [III Grade (L-I) -25.2.2023]

(1) कोटा (2) बीकानेर (3) जोधपुर (4) उदयपुर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ **मक्का की फसल पकने की अवधि है-** [RAS-2000] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.06.2024 (I)]

(1) 40 दिन (2) 60 दिन (3) 140 दिन (4) 110 दिन

Ans. (4)

व्याख्या - मक्का की फसल को पकने की अवधि लगभग 110 दिन होती है। तथा फसल के लिए कम से कम 50 सेमी. वर्षा तथा 21 डिग्री से 27 डिग्री से. तापमान की आवश्यकता होती है। मक्के की फसल के लिए जीवांश युक्त दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है।

Scanned with OKEN Scanner

❒ **राजस्थान का राजकोट बीकानेर के लूणकरणसर स्थान को कहा जाता है, इसका कारण है-** [Police Constable Exam- 1992]

(1) यहाँ सर्वाधिक मूँगफली उत्पादित होती है।
(2) यहाँ सर्वाधिक अरहर होती है।
(3) यहाँ सर्वाधिक सोयाबीन होती है।
(4) यहाँ सर्वाधिक पानी ईंजन बनाये जाते हैं।

Ans. (1)

व्याख्या *- लूणकरणसर (बीकानेर) मूँगफली उत्पादन के कारण 'राजस्थान का राजकोट' कहलाता है। गुजरात के बाद राजस्थान का देश में दूसरा स्थान है। मूँगफली की किस्मों में चन्द्रा, RG-141, RSB-87, RS-1 प्रमुख है।*

❒ **राजस्थान में मूँगफली की प्रमुख मंडी कहाँ स्थित है?**[Assist.Professor-22.9.2021][III Grade (SST)-26.2.2023]

(1) बीकानेर (2) भीलवाड़ा (3) उदयपुर (4) अलवर

Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मूँगफली के उत्पादन में राजस्थान का भारत में कौनसा स्थान है?**[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-14.6.2024 (II)] [CET : 07.01.2023 (S-1)][II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) चतुर्थ (2) प्रथम (3) तृतीय (4) द्वितीय

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौन-कौनसी फसल और जाति का संयोजन सही नहीं है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.06.2024 (I)]

(1) मक्का-माही कंचन और माही धवल
(2) चावल - कावेरी, चंबल और परमल
(3) गेहूँ - मैक्सिकन और कोहीनूर
(4) मूँगफली - चंद्र और कुफरी

Ans. (4) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न जिलों में से कौन-सा एक राजस्थान में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक है?** [प्रयोगशाला सहायक-3.2.2019]

(1) जोधपुर (2) गंगानगर (3) बूँदी (4) सिरोही

Ans. (2)

व्याख्या *- गन्ना के क्षेत्रफल एवं उत्पादकता की दृष्टि से अग्रणी जिले - गंगानगर, चित्तौड़गढ़, बूँदी*

❒ **सुमेलित कीजिए-**[II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -17.2.2019]

फसल	उच्च उपज किस्म
(A) गेहूँ	(1) माही कंचन
(B) जौ	(2) आरएचबी-30
(C) बाजरा	(3) आरडी-2035
(D) मक्का	(4) राज.-3077

कूट :	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	4	3	2	1	(2)	3	4	1	2
(3)	1	2	4	3	(4)	2	1	3	4

Ans. (1)

व्याख्या *- • गेहूँ : सोना कल्याण, सोनालिका, मैक्सिकन, कोहीनूर, लाल बहादुर, मंगला, गंगासुनहरी, राज. 3077 • जौ : ज्योति, राजकिरण, आरडी-57,2035*
• मक्का : माही कंचन, माही धवल, मोती कम्पोजिट।
• बाजरा - आरएचबी-30, आरएजे.-171, पूसा कम्पोजिट 383, आर. सी. बी.-911

❒ **निम्नलिखित में से राजस्थान में उगाई जाने वाली धान की किस्म नहीं है-**[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]

(1) रतना (2) बाला (3) ज्योति (4) गोविन्द

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजकिरण और आर.डी. 57 किस फसल की उन्नत किस्में हैं-** [Asst. Professor- 7.1.2024]

(1) जौ (2) चना (3) बाजरा (4) मक्का

Ans. (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **माही कंचन तथा आर. सी. बी. 911 संकर किस्में हैं** [RAS - 01.10.2023]

(1) क्रमशः मक्का तथा जौ की
(2) क्रमशः मक्का तथा चावल की
(3) क्रमशः मक्का तथा बाजरे की
(4) क्रमशः बाजरा तथा मक्का की

Ans. (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **शस्य-किस्में सुमेलित करें-** [Head Master- 02.09.2018]

(a) मक्का	(1) दोहद येला
(b) चावल	(2) माही धवल
(c) सरसों	(3) वरदान
(d) चना	(4) डागर

कूट	a	b	c	d	कूट	a	b	c	d
(1)	1	3	2	4	(2)	2	4	3	1
(3)	3	2	4	1	(4)	4	1	2	3

Ans. (2)

व्याख्या *- • चावल : माही सुगन्धा, बासमती, कावेरी, चम्बल, परमल।*
• राई व सरसों : पूसा कल्याणी, वरुणा, दुर्गामणि।
• चना : पूसा 2085 (काबूली), दोहद येलो

Scanned with OKEN Scanner

❑ 'दोहद येलो' किस फसल की उन्नत किस्म है?

[CET : 07.01.2023 (S-II)]

(1) गन्ना (2) चना (3) गेहूँ (4) मूँगफली

Ans. (2) **व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ दुर्गापुर केसर एक प्रसिद्ध किस्म है-

[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) धनिये की (2) जीरे की
(3) तरबूज की (4) खजूर की

Ans. (3)

व्याख्या - दुर्गापुर केसर : इस किस्म का विकास उदयपुर विश्वविद्यालय के सब्जी अनुसंधान केन्द्र दुर्गापुरा जयपुर, राजस्थान द्वारा किया गया है। तरबूज की अन्य किस्में : शुगर बेबी, आशायी यामातो, न्यू हेम्पशायर मिडगट, पूसा बेदाना, अर्का ज्योति, अर्का मानिक, डब्लु - 011

❑ राजस्थान में कितने कृषि विज्ञान केन्द्र हैं?

[III Grade (English) -27.02.2023]

(1) 28 (2) 34 (3) 42 (4) 45

Ans. (4)

व्याख्या- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार राजस्थान में कृषि विज्ञान केन्द्र 47 है।

❑ निम्नलिखित में से कौनसा एक राजस्थान का अलसी उत्पादक प्रदेश है ? [II Grade (S-I) -29.1.2023]

(1) माही बेसन (2) हाड़ौती प्रदेश
(3) शेखावाटी प्रदेश (4) घग्घर का मैदान

Ans. (2)

❑ राजस्थान में अलसी उत्पादक प्रमुख जिले हैं-

[II Grade - 30.07.2023 (S- II)]

(1) अजमेर, पाली, नागौर और सीकर
(2) चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, डूँगरपुर और बाँसवाड़ा
(3) भीलवाड़ा, टोंक, सवाई माधोपुर और करौली
(4) बारां, कोटा, बूँदी और झालावाड़

Ans. (4)

❑ सुमेलित कीजिए - [II Grade (S-II) -29.1.2023]

(फसल)	(प्रमुख उत्पादक)
(A) गेहूँ	(1) अलवर
(B) बाजरा	(2) भीलवाड़ा
(C) चावल	(3) गंगानगर
(D) मक्का	(4) बूँदी

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	1	2	4	(2)	3	1	4	2
(3)	1	3	4	2	(4)	3	4	1	2

Ans. (2)

❑ भारत की प्रथम जैतून रिफाइनरी स्थित है?

[CET : 07.01.2023 (S-I)][कनिष्ठ अनुदेशक-10.09.2022]

(1) लूणकरणसर (2) सरदारशहर (3) मण्डोर (4) देशनोक

Ans. (1)

व्याख्या - देश की प्रथम जैतून तेल रिफाइनरी राजस्थान में 3 अक्टूबर, 2014 को बीकानेर के लूणकरणसर में स्थापित की गई। इस रिफाइनरी से उत्पादित जैतून का तेल 'राज जैतून तेल' ब्राण्ड नाम से चिह्नित किया गया।

❑ निम्न में से किसे राजस्थान का पहला जैविक कृषि जिला घोषित किया गया है? [PTI - 30.09.2018]

(1) बाँसवाड़ा (2) पाली (3) डूँगरपुर (4) उदयपुर

Ans. (3)

*व्याख्या -कृषि विभाग ने जैविक उर्वरकों के इस्तेमाल को बढ़ावा देते हुए **डूँगरपुर को पूर्ण जैविक खेती वाला जिला बनाने का लक्ष्य** तय किया है। ज्ञातव्य है कि प्रथम जैविक गाँव जयपुर के निकट दादिया है।*

❑ राजस्थान जमींदारी और बिस्वेदारी उन्मूलन अधिनियम किस वर्ष में पारित किया गया -

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]

(1) 1951 (2) 1955 (3) 1953 (4) 1959

Ans. (4)

व्याख्या - राजस्थान जमींदारी तथा बिस्वेदारी उन्मूलन अधिनियम, 1959 को 1 नवम्बर, 1959 से प्रवृत्त किया गया। इस अधिनियम की धारा 55 के अनुसार जिस काश्तकार द्वारा सरकारी जमीन में किसी अधिकार के अनुसरण में खेती की जाती थी, उसे खातेदारी अधिकार प्रदान किये गये।

❑ सरकार ने राजस्थान जागीर उन्मूलन अधिनियम किस वर्ष पारित किया था-

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]

(1) 1952 में (2) 1925 में (3) 1962 में (4) 1972 में

Ans. (1)

व्याख्या-राजस्थान जागीर उन्मूलन अधिनियम 1952 को राष्ट्रपति से अनुमति 13 फरवरी, 1953 को प्राप्त हुई। यह अधिनियम जागीर भूमियों के पुनर्ग्रहण तथा भूमि सुधारों के अन्य उपायों के लिए उपबन्ध करने हेतु बनाया गया।

Scanned with OKEN Scanner

❑ राजस्थान काश्तकारी अधिनियम किस वर्ष लागू हुआ था? [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]
(1) 1959 (2) 1952 (3) 1949 (4) 1955
Ans. (4)

व्याख्या – राजस्थान काश्तकारी अधिनियम दिनांक 15 अक्टूबर 1955 से लागू हुआ। इसका विस्तार संपूर्ण राजस्थान राज्य में है। आबू, अजमेर और सुनैल क्षेत्र के लिए यह 15 जून 1958 से लागू हुआ।

❑ राजस्थान राज्य बीज निगम लिमिटेड (RSSCL) की स्थापना राष्ट्रीय बीज परियोजना के तहत ... में की गई थी– [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020 (II)]
(1) 1978 (2) 1987 (3) 2019 (4) 2001
Ans. (1)

व्याख्या –राजस्थान राज्य बीज निगम लिमिटेड (RSSCL) की स्थापना 1978 में अधिसूचित किस्मों के बीजों का उत्पादन, भण्डारण एवं संरक्षण हेतु की गई।

❑ वर्ष 2019-20 में, राजस्थान की कितनी ग्राम पंचायतों में 'शून्य बजट प्राकृतिक कृषि योजना' शुरू करना प्रस्तावित है– [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]
(1) 30 (2) 36 (3) 40 (4) 45
Ans. (2)

व्याख्या – जीरो बजट प्राकृतिक कृषि में मूल रूप से पारंपरिक तरीके, कम सिंचाई एवं प्राकृतिक खाद का प्रयोग किया जाता है तथा केमिकल्स खरीदने हेतु बजट की जरूरत नहीं पड़ती। राजस्थान में इस योजना का प्रारम्भ बाँसवाड़ा, टोंक एवं सिरोही जिलों की 36 ग्राम पंचायतों के 20 हजार किसानों को शामिल करते हुए किया जाएगा। इसके चार स्तम्भ है -जीवामृत, बीजामृत, आच्छादन, वाष्प।

❑ 2019-20 के बजट घोषणा की पालना में निम्न में से किन जिलों में शून्य बजट प्राकृतिक फार्मिंग की एक पायलट योजना प्रारंभ की जा रही है? [Asst. Testing Officer - 27.07.2021]
(1) टोंक,भीलवाड़ा,चित्तौड़गढ़ (2) टोंक, बाँसवाड़ा, सिरोही
(3) टोंक, सवाई माधोपुर तथा धौलपुर
(4) टोंक, सवाई माधोपुर तथा कोटा
Ans. (2) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ निम्न में से कौनसा 'शून्य बजट प्राकृतिक खेती' के चार स्तम्भों में नहीं है? [वनपाल-06.11.2022(S-I)]
(1) जीवामृत (2) बीजामृत (3) आच्छादन (4) शुरूआत
Ans. (4) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का शुभारंभ....को हुआ था–[अन्वेषक परीक्षा - 27.12.2020][LDC- 16.9.2018] [CET-G (S-I) - 27.09.2024]
(1) 1 जुलाई, 2015 (2) 1 जुलाई, 2013
(3) 1 जून, 2012 (4) 1 मई, 2011
Ans. (1)

व्याख्या–प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पी.एम.के. एस.वाई.) – प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनान्तर्गत वर्तमान में संचालित योजनाओं का समावेश किया गया है जैसे– त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (ए.आई.बी.पी.), समन्वित जलग्रहण प्रबन्ध कार्यक्रम (आई.डबल्यू.एम.पी.) तथा ऑन फॉर्म जल प्रबन्ध (ओ.एफ. डब्ल्यू.एम.) आदि। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना पूरे राज्य में 1 जुलाई 2015 से क्रियान्वित की जा रही है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का वित्त पोषण पैटर्न केन्द्रीयांश एवं राज्यांश के बीच अनुपात क्रमशः 60:40 हैं।

❑ राजस्थान में, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पी. एम.के.एस.वाई.) का केन्द्र एवं राज्य के बीच वित्त पोषण अनुपात है– [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020] [PSI - 14.09.2021][Superintendent Garden - 28.07.2021] [VDO-27.12.2021 (S-I)][JEN (Elect.) Dip.- 18.05.2022]
(1) 60:40 (2) 75:25 (3) 50:50 (4) 70:30
Ans. (1) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ समन्वित जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम का नाम परिवर्तित करके...कर दिया गया है–[LDC -12.8.2018]
(1) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
(2) राज्य कृषि सिंचाई योजना
(3) राजस्थान कृषि सिंचाई योजना
(4) मुख्यमंत्री कृषि सिंचाई योजना
Ans. (1) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ नेशनल बाँस मिशन के अंतर्गत कौनसा जिला शामिल नहीं हैं? [RAS Exam - 2015]
(1) करौली (2) भीलवाड़ा (3) जालौर (4) बाँसवाड़ा
Ans. (3)

व्याख्या : राष्ट्रीय कृषि-वानिकी एवं बम्बू मिशन (एन.ए.बी.एम.) – इस मिशन के अन्तर्गत बाँस की खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य के करौली, सवाई माधोपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, सिरोही, बाराँ, झालावाड़, भीलवाड़ा, राजसमंद एवं प्रतापगढ़ जिलों को सम्मिलित किया गया है।

Scanned with OKEN Scanner

❒ राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत राजस्थान को केन्द्रीय सहायता के रूप में भारत सरकार का प्रतिशत योगदान बताइये- [LDC Exam - 23.10.16]

(1) 60% (2) 75% (3) 80% (4) शत प्रतिशत

Ans. (1)

व्याख्या– 2007-08 में प्रारम्भ राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का वित्त पोषण पैटर्न केन्द्रीयांश एवं राज्यांश के बीच अनुपात क्रमश: 60:40 हैं।

❒ **राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY) वर्ष .... में आरम्भ की गई थी।** [II Grade GK - 21.12.2022]

(1) 2011 (2) 2001 (3) 2005 (4) 2007

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राष्ट्रीय टिकाऊ खेती मिशन के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौन-सा उप-मिशन सम्मिलित किया गया है?** [पुलिस उपनिरीक्षक परीक्षा-07.10.2018]

(1) पशुपालन (2) स्वास्थ्य प्रबन्धन
(3) सहकारी खेती (4) मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन

Ans. (4)

*व्याख्या – राष्ट्रीय टिकाऊ खेती मिशन (एन.एम.एस.ए.) – राष्ट्रीय कृषि सतत् मिशन (राष्ट्रीय टिकाऊ खेती मिशन), वर्ष 2014-15 से क्रियान्वित किया जा रहा है। वर्ष 2015-16 में इसके वित्त पोषण हेतु **केन्द्रीयांश एवं राज्यांश का अनुपात 60:40** है। राष्ट्रीय टिकाऊ खेती मिशन के अन्तर्गत तीन सब-मिशन सम्मिलित किए गए हैं – ☞ वर्षा आधारित क्षेत्र विकास (आर.ए.डी.)*
☞ कृषि वानिकी पर उप मिशन (एस.एम.ए.एफ.)
☞ मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड

❒ **टिकाऊ कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन में 3 उप-मिशन शामिल है। निम्नलिखित में से कौनसा उनमें नहीं है?** [Assist. Professor-8.9.2024]

(1) कृषि वानिकी पर उप-मिशन
(2) मृदा परीक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण
(3) वर्षा आधारित क्षेत्र विकास
(4) बीज और कृषि मशीनीकरण पर उप-मिशन

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में गेहूँ एवं दलहन पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन प्रारम्भ किया गया था-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) वर्ष 2006-07 में (2) वर्ष 2007-08 में
(3) वर्ष 2009-10 में (4) वर्ष 2015-16 में

Ans. (2)

*व्याख्या – राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन फसल विकास स्कीम केन्द्र प्रवर्तित योजना के रूप में अगस्त, 2007 से लागू किया गया। भारत सरकार ने वर्ष 2015-16 में वित्त पोषण पैटर्न में परिवर्तन कर केन्द्रीयांश एवं राज्यांश का अनुपात **60 : 40** कर दिया है। इसका लक्ष्य सतत आधार पर राज्य में गेहूँ, दलहनों, मोटे अनाज (मक्का एवं जौ) एवं पौष्टिक अनाज (बाजरा एवं ज्वार) फसलों की उत्पादकता और उत्पादन को बढ़ाना है।*

❒ **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के वित्त पोषण में वर्ष 2015-16 से राजस्थान सरकार का हिस्सा है-** [LDC-19.08.2018] [अन्वेषक परीक्षा - 27.12.2020]

(1) 40% (2) 60% (3) 75% (4) 25%

Ans. (1) *व्याख्या – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में वर्ष 2007-2008 में प्रारम्भ किए गए गेहूँ और दालों के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (N.F.S.M.) के लिए GOZ एवं GOR के खाने के पैटर्न का अनुपात क्या है-** [CET -G (S-II) - 27.09.2024]

(1) 60 : 40 (2) 50 : 50 (3) 70 : 30 (4) 80 : 20

Ans. (1) *व्याख्या – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के कितने जिलों में राष्ट्रीय बागवानी मिशन क्रियान्वित किया जा रहा है-** [प्रयोगशाला सहायक-3.2.2019][अन्वेषक परीक्षा - 27.12.2020]

(1) 32 (2) 28 (3) 24 (4) 16

Ans. (3)

व्याख्या : राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एन.एच.एम.)-राज्य के चयनित 24 जिले क्रमश: जयपुर, अजमेर, अलवर, चित्तौड़गढ़, कोटा, बाराँ, झालावाड़, जोधपुर, पाली, जालौर, बाड़मेर, नागौर, बाँसवाड़ा, टोंक, करौली, सवाई माधोपुर, उदयपुर, डूँगरपुर, भीलवाड़ा, बूँदी, झुंझुनूँ, सिरोही, जैसलमेर एवं गंगानगर थे। वर्तमान में इसे 31 जिलों में लागू किया गया है। उद्यानिकी फसलों यथा- फल, मसाला एवं फूलों के क्षेत्रफल, उत्पादन व उत्पादकता में वृद्धि की गई है।

❒ **APMC अधिनियम राजस्थान में किस उद्देश्य से लागू किया गया?** [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

(1) निर्यात को सुविधा देने के लिए
(2) आयात को सुविधा देने के लिए
(3) कृषि उत्पादों के विपणन को सुविधा देने के लिए
(4) कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए

Ans. (3)

Scanned with OKEN Scanner

व्याख्या – *राज्य में कृषि उत्पादों के विपणन को सुविधा देने के लिए राजस्थान कृषि उपज विपणन समिति (APMC) अधिनियम द्वारा निजी ई मार्केट द्वारा राज्य की सभी मण्डियों को संचालित किया जायेगा।*

❑ **राजस्थान में कृषि उपज मण्डी अधिनियम कब पारित किया गया–** [जेल प्रहरी 20-10-2018, Shift -I]
(1) 1962 ई. (2) 1960 ई. (3) 1963 ई. (4) 1961 ई.
Ans. (4)

व्याख्या – *राजस्थान कृषि उपज मण्डी अधिनियम 1961 में पारित किया गया तथा इसमें संशोधन विधेयक 2015 में पारित किया गया।*

❑ **निम्न में से क्या राजस्थान की हरित क्रांति से संबंधित नहीं है?** [उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]
(1) उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उपयोग घटना
(2) सहकारी ऋण सुविधाओं का बढ़ना
(3) सकल कृषि क्षेत्र को बढ़ना
(4) HYV बीजों का उपयोग बढ़ना
Ans. (1)

व्याख्या – *'हरित क्रान्ति' नाम 1958 में एक अमेरिकी विलियम गैड (William Gadd) द्वारा दिया गया था* **इसका जन्मदाता नॉर्मन ई. बोरलॉग को माना जाता है।** *भारत में कृषि में क्रान्ति की शुरुआत वास्तव में 1960 में नॉर्मन ई. बोरलॉग द्वारा मेक्सिको में प्रयोग में लायी गयी गेहूँ की उन्नत प्रजाति के बीज के साथ होती है। इन्होंने गेहूँ की प्रसिद्ध प्रजाति* **लर्मा रोजो** *(Lerma Rojo 64A) तथा* **सोनारा 64** *विकसित किया जिसके कारण ही भारत में हरित क्रान्ति आयी। हरित क्रान्ति की शुरुआत भारत में 1966 में खरीफ फसल से हुयी।*

❑ **राजस्थान में उत्पादन क्षमता के आधार पर भूमि के प्रकार हकत-बहत का अर्थ है**–[पटवार-23.10.2021-II)]
(1) सिंचाई एवं कृषि के लिए उपयुक्त भूमि
(2) गाँव के समीप चक भूमि (संलग्न)
(3) सम्पूर्ण वर्ष खेत को बिना खेती के छोड़ना
(4) नहर द्वारा सिंचाई भूमि
Ans. (1)

❑ **'खसरा' सम्बन्धित है:** [RPSC III Grade -2009]
(1) भूमि का क्षेत्र (2) राजकीय कर
(3) सार्वजनिक भवन (4) धार्मिक कर
Ans. (1)

व्याख्या : किसानों से जुड़ा एक कानूनी दस्तावेज होता है जिसमें किसी गाँव के जमीन के किसी टुकड़े और उस पर उगाई जा रही फसलों का ब्यौरा लिखा होता है। इसका इस्तेमाल खसरा नाम के दस्तावेज के साथ किया जाता है, जिसमें पूरे गाँव का नक्शा एवं सारी जमीन का ब्यौरा होता है।

❑ **बेर की किस्म नहीं है?**[III Grade (Punjabi) -28.02.2023]
(1) गोमा कीर्ति (2) थार सेविका
(3) थार भूमराज (4) गोमा ऐश्वर्य
Ans. (4) *व्याख्या : गोमा ऐश्वर्य – आँवला की किस्म*

❑ **राजस्थान में 2022 में प्रस्तुत प्रथम कृषि बजट को कितने मिशन में बाँटा गया है?**[II Grade - 24.12.2022]
(1) 11 (2) 9 (3) 7 (4) 13
Ans. (1)

व्याख्या – राजस्थान का प्रथम कृषि बजट 23 फरवरी, 2022 को तथा द्वितीय कृषि बजट 10 फरवरी, 2023 को प्रस्तुत किया गया। बजट 2023-24 में ***12वाँ मिशन 'राजस्थान युवा कृषक कौशल एवं क्षमता संवर्द्धन मिशन'*** *प्रारम्भ किया गया।*

❑ **मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना, राजस्थान में 2018-19 के अन्तर्गत निम्न में लागू की गयी है–**
[Assistant Professor-22.9.2021]
(1) कोटा, भीलवाड़ा एवं उदयपुर जिले
(2) राज्य के दस कृषि जलवायु क्षेत्र
(3) अलवर, भरतपुर एवं गंगानगर जिले
(4) मध्यवर्ती अरावली पर्वतीय प्रदेश
Ans. (2)

व्याख्या –*मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना का प्रमुख उद्देश्य कृषकों द्वारा स्वयं के खेतों में अच्छी किस्म के गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, सोयाबीन, मूंग, मोठ, मूंगफली एवं उड़द की 10 वर्ष तक की पुरानी किस्मों के बीज निर्माण को बढ़ाना है। प्रारम्भ में इसका क्रियान्वयन बीज राज्य के तीन कृषि जलवायुविक खण्डों यथा– कोटा, भीलवाड़ा तथा उदयपुर में किया गया। वर्ष 2018-19 से योजना राज्य के समस्त 10* ***कृषि*** *जलवायुविक खण्डों में क्रियान्वित की जा रही है।*

❑ **राजस्थान में किसानों हेतु कृषि में आसानी के लिए 'कृषक कल्याण कोष' का गठन... किया गया है–**
[VDO-27.12.2021 (S-II)]
(1) 16 अगस्त, 2017 को (2) 16 दिसम्बर, 2019 को
(3) 16 अगस्त, 2018 को (4) 26 जनवरी, 2019 को
Ans. (2)

Scanned with OKEN Scanner

❑ **2015-16 में राजस्थान में भू-जोतों का औसत आकार था?** [PSI - 15.09.2021][उद्योग निरीक्षक परीक्षा-24.06.2018] [कॉलेज व्याख्याता -30.5.2019][Asst. Statistical Offi.-8.7.2022] [Asst. Professor- 7.1.2024]

(1) 10.07 हैक्टेयर (2) 5.07 हैक्टेयर

(3) 2.73 हैक्टेयर (4) 3.07 हैक्टेयर

Ans. (3)

व्याख्या *–कृषि गणना 2015-16 के अनुसार राज्य में भूमि जोतों का औसत आकार 2.73 हैक्टेयर रहा जो वर्ष 2010-11 में 3.07 हैक्टेयर था जो भूमि जोतों के औसत आकार में 11.07 प्रतिशत की कमी दर्शाता है।*

❑ **राजस्थान में वर्ष 2015-16 में कुल जोतों का क्षेत्रफल था–** [Asst. Testing Officer - 27.07.2021]

(1) 76.55 लाख हैक्टेयर (2) 208.73 लाख हैक्टेयर

(3) 211.4 लाख हैक्टेयर (4) 68.8 लाख हैक्टेयर

Ans. (2)

व्याख्या *–राजस्थान में वर्ष 2015-16 में कुल जोतों का क्षेत्रफल 208.73 लाख हैक्टेयर हो गया है अर्थात् जोतों के कुल क्षेत्रफल में 1.24 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है।*

❑ **कृषि गणना 2015-16 के अनुसार, राजस्थान में कुल प्रचालित भूमि जोतों की संख्या (लाख में) थी–** [संगणक परीक्षा-19.12.2021]

(1) 76.55 (2) 65.84 (3) 68.88 (4) 78.81

Ans. (1)

व्याख्या *–कृषि गणना 2015-16 के अनुसार कुल प्रचालित भूमि जोतों की संख्या 76.55 लाख (11.14% की वृद्धि) तथा कुल महिला प्रचालित भूमि जोतों की संख्या 7.75 लाख (41.94% की वृद्धि) है।*

❑ **राजस्थान राज्य में कृषि गणना, 2015-16 के अनुसार कुल महिला प्रचालित भूमि जोतों की संख्या (लाख में) है–** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) 7.75 (2) 16.55 (3) 18.88 (4) 10.50

Ans. (1)***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान राज्य में कृषि गणना 2015-16 के अनुसार कुल पुरुष प्रचालित जोतों की संख्या है–** [VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) 7.75 लाख (2) 196.6 लाख

(3) 68.66 लाख (4) 6.86 लाख

Ans. (3)

❑ **आर्थिक समीक्षा 2021-22 के अनुसार, वर्ष 2021-22 में राजस्थान में खाद्यान्नों के कुल उत्पादन का प्रारंभिक पूर्वानुमान है–**[Asst. Statistical Officer-8.7.2022]

(1) 279.45 लाख टन (2) 259.09 लाख टन

(3) 225.20 लाख टन (4) 210.09 लाख टन

Ans. (3) *वर्ष 2024-25 में 267.67 लाख मैट्रिक टन*

❑ **राजस्थान में भूमि उपयोग (2018-19) के संदर्भ में कौनसा सुमेलित नहीं है–** [VDO-28.12.2021 (S-II)]

(1) चालू पड़त भूमि क्षेत्र – 5.22%

(2) वन क्षेत्र – 8.05%

(3) अकृषि क्षेत्र – 8.10%

(4) शुद्ध बोया गया क्षेत्र – 51.85%

Ans. (3)

व्याख्या *– भू-उपयोग सांख्यिकी 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोगों भूमि 5.93% है।*

❑ **भू-उपयोग सांख्यिकी 2017-18 के अनुसार, राजस्थान में वानिकी क्षेत्र निम्न है–** [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) 6.28% (2) 7.82% (3) 8.04% (4) 8.35%

Ans. (3)

व्याख्या *–भू-उपयोग सांख्यिकी 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में वानिकी क्षेत्र 8.13% (27.86 लाख हैक्टेयर) है।*

❑ **राजस्थान में कृषि की कुछ प्रमुख विशेषताओं के संदर्भ में कौनसे सही हैं–**[JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]

1. खाद्यान्न फसलों की प्रधानता

2. मानसून तटस्थ कृषि

3. शुष्क कृषि पर उच्च निर्भरता

4. स्थानांतरण कृषि की मौजूदगी

कूट: (1) केवल 1 और 3 (2) केवल 3 और 4

(3) केवल 2, 3 और 4 (4) केवल 1, 3 और 4

Ans. (4)

❑ **किसानों को रियायती दर पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए ...को राजस्थान में लॉन्च/शुरू किया गया था–**[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-07.11.2020(II)]

(1) किसान कलेवा योजना (2) सभी के लिए चावल

(3) किसान खाद्य योजना (4) मीन इन व्हील

Ans. (1)

Scanned with OKEN Scanner

व्याख्या – **किसान कलेवा योजना** : विशिष्ट श्रेणी अ तथा ब श्रेणी की कृषि उपज मंडी समितियों में अपनी कृषि उपज को विक्रय हेतु लाने वाले कृषक व उसके सहयोगी को मंडीयार्ड में रियायती दर (5 रु. थाली) पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की योजना जो 20 जनवरी, 2014 से लागू की गई है।

❒ **'राजीव गाँधी कृषक साथी सहायता योजना' प्रदान करती है?** [Lab Assistent (Science) -28.06.2022] [Asst. Statistical Officer-08.07.2022]

(1) बिजली गिरने तथा अँधड़ से फसल को हानि होने पर वित्तीय सहायता

(2) कृषि कार्यों से सम्बन्धित उपकरणों की खरीद हेतु वित्तीय सहायता

(3) कृषि कार्यों के दौरान एक्सीडेंट होने पर वित्तीय सहायता

(4) बागवानी एवं जैविक कृषि के लिए वित्तीय सहायता

Ans. (3)

*व्याख्या- बजट 2021-22 में घोषित 'राजीव गाँधी कृषक साथी सहायता योजना' कृषि विपणन सहित कृषि कार्य के दौरान **दुर्घटना की स्थिति** में कृषक, खेतीहर मजदूर और हमालों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। बजट 2022-23 **मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना** (प्रारम्भ-24 फरवरी, 2021) की राशि को 2 हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 हजार करोड़ रुपये करने की घोषणा की है। इस योजना के अन्तर्गत कृषि व इससे संबंधित सभी क्षेत्रों की योजनाओं को अधिक प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए Mission (11) Mode पर कार्य किया जाना प्रस्तावित है।*

❒ **राजस्थान कृषि प्रतिस्पर्धा परियोजना वर्ष 2012-13 में प्रारम्भ की गई। इस परियोजना में मुख्यतः जोर दिया गया है:** [RAS Pre Exam-19.11.2013]

(1) सिंचित जल के कुशल उपयोग पर

(2) यन्त्रीकरण पर (3) जैविक खेती पर

(4) उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर

Ans. (1)

*व्याख्या- विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित **राजस्थान कृषि प्रतिस्पर्धात्मक परियोजना** (जुलाई, 2012 से अप्रेल, 2019 तक) का क्रियान्वयन राज्य के 10 कृषि-जलवायुवीय खण्डों के 20 क्लस्टर्स में होगा। इन क्लस्टर्स में से जलग्रहण, भू-जल परिस्थितियों के रूप में क्लस्टर्स चयनित किए जाएंगे।*

❒ **राजस्थान में खेती के क्षेत्र का लगभग .... प्रतिशत है-** [CET-G (S-I) - 28.09.2024]

(1) 45% (2) 51% (3) 55% (4) 60%

Ans. (3)

❒ **सही कथन को चुनिए-** [Stenographer-15.10.2024]

कथन I -राजस्थान में कृषि और संबंद्ध गतिविधियाँ अभी भी राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है, जिसने वर्तमान मूल्य पर 2022-23 में राज्य के कुल जीएसवीए (GSVA) में 28.95 प्रतिशत का योगदान दिया।

कथन II - राजस्थान विविध जलवायु परिस्थितियों वाला राज्य होने से विविध फसलों की खेती, जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा पशुपालन क्षेत्र में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

(1) कथन 1 असत्य है, किन्तु कथन 2 सत्य है।

(2) कथन 1 और कथन 2 दोनों सत्य हैं।

(3) कथन 1 और कथन 2 दोनों असत्य हैं।

(4) कथन 1 सत्य है, किन्तु कथन 2 असत्य है।

Ans. (2)

❒ **राज्य में 12 दिसम्बर, 2019 को राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय तथा कृषि निर्यात संवर्धन नीति शुरू की गई है। कौनसी विशेषता इस नीति से संबंधित नहीं है?** [Assist. Professor-8.9.2024]

(1) भूमि सुधार के बढ़ते प्रयास

(2) फसल कटाई के बाद नुकसान को कम करने के लिए क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण

(3) खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से रोजगार सृजन और कौशल विकास

(4) मूल्य संवर्धन और आपूर्ति शृंखला में सीधे शामिल करके किसानों की आय में वृद्धि

Ans. (1)

❒ **निम्न में से किसे 2020-21 से 2024-25 तक 5 वर्ष की अवधि में 'प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (पी.एम.एफ.एम.ई.) को लागू करने के लिये राजस्थान में नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है?** [पशु परिचर-1.12.2024 (S-I)]

(1) राजस्थान स्टेट एप्लाइड मार्केटिंग बोर्ड

(2) राजस्थान स्टेट फूड मार्केटिंग बोर्ड

(3) राजस्थान स्टेट कृषि विपणन बोर्ड

(4) राजस्थान स्टेट प्रशासन मार्केटिंग बोर्ड

Ans. (3)

Scanned with OKEN Scanner

❐ बाँसवाड़ा तथा कोटा के अतिरिक्त किस अन्य शहर में टसर विकास कार्यक्रम चल रहा है ? [R.A.S. Pre Exam, 2003]

(1) जयपुर (2) उदयपुर (3) जोधपुर (4) अजमेर

Ans. (2)

व्याख्या - **टसर योजना** : कृत्रिम रेशम पालन की यह योजना उदयपुर, कोटा व बाँसवाड़ा जिलों में लागू की गई है। इस योजना में अर्जुन पौधे को चार-पाँच वर्ष में विकसित कर उस पर कीट पाले जाते हैं।

❐ 'टसर' कृत्रिम रेशम का विकास राजस्थान में निम्न जगह किया जा रहा है- [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) कोटा एवं चित्तौड़गढ़ (2) उदयपुर एवं नाथद्वारा

(3) कोटा, उदयपुर एवं बाँसवाड़ा जिले

(4) चित्तौड़गढ़, उदयपुर एवं बाँसवाड़ा जिले

Ans. (3) **व्याख्या** : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❐ राज्य में सर्वाधिक मसाले किस जिले में उत्पादित होते हैं? [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) गंगानगर (2) बाराँ (3) डूँगरपुर (4) बाँसवाड़ा

Ans. (2)

व्याख्या - सम्प्रति कुल सर्वाधिक मसाले क्रमशः झालावाड़, कोटा, बाराँ में उत्पादित होते है।

❐ कौनसी तिलहनी फसल दालों के समान मृदा में नाइट्रोजन स्तर को बढ़ाती है? [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) मूँगफली (2) सरसों (3) तिल (4) अरण्डी

Ans. (1)

❐ मानसून की विफलता के कारण कृषि आय की हानि का बीमा करने के लिए सूखा सुरक्षा कवच योजना संचालित की जा रही है- [सांख्यिकी अधिकारी-25.02.2024]

(1) भारतीय कृषि बीमा कम्पनी के द्वारा

(2) जनरल इन्श्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा

(3) नाबार्ड के द्वारा

(4) राज्य बीमा विभाग, राजस्थान द्वारा

Ans. (1)

❐ फल उत्पादन के मामले में राजस्थान का पहला जिला कौनसा है- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.06.2024 (I)]

(1) हनुमानगढ़ (2) झालावाड़ (3) गंगानगर (4) बीकानेर

Ans. (3)

❐ भारत को 15 कृषि पारिस्थितिकी क्षेत्रों में बाँटा गया है, इनमें से राजस्थान का अधिकांश भाग किस क्षेत्र में है? [Asstt. Agriculture Officer Exam- 31.05.2019]

(1) 09 (2) 13 (3) 14 (4) 15

Ans. (3)

व्याख्या - *भारत के 15 कृषि जलवायु प्रदेशों में दो कृषि जलवायविक प्रदेश अरावली - मालवा पठारी प्रदेश (8वाँ) व पश्चिमी राजस्थान प्रदेश (14वाँ) राज्य राजस्थान के अन्तर्गत आते हैं। कृषि विभाग द्वारा* ***कृषि पद्धति, जल की उपलब्धता, फसल प्रारूप, कृषि विकास के आधार पर*** *राजस्थान को* ***शस्य/कृषि जलवायु क्षेत्र (Agro Climate Zone)*** *से 10 प्रखंडों में बाँटा गया है।*

❐ कौनसा असत्य है? [CET : 08.01.2023 (S-II)]

(1) शुष्क खेती पश्चिमी राजस्थान में प्रचलित है।

(2) राजस्थान में झूमिंग खेती को वालरा कहते हैं।

(3) राजस्थान में आर्द्र खेती दक्षिण-पूर्वी भाग में की जाती है।

(4) राजस्थान को 14 कृषि जलवायु प्रदेशों में बाँटा गया है।

Ans. (4) **व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❐ ICAR द्वारा राजस्थान कितने कृषि जलवायु प्रदेश में विभाजित किया जाता है? [पशुधन सहायक 04.6.2022] [CET-G (S-II) - 28.09.2024][JEN (Civil) Degree 12.9.2021] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022, 14.05.2022] [वनपाल-06.11.2022(S-I),13.12.2022(S-II)]

(1) 08 (2) 10 (3) 12 (4) 14

Ans. (2) **व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❐ राजस्थान में सबसे बड़ा कृषि जलवायु प्रदेश है- [VDO-27.12.2021 (II)][Lab Assistent (Geo.)-30.6.2022] [Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016] [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022] [CET : 07.01.2023 (S-I)] [पटवार- 2011, Pre. -2016] [आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग) -25.03.2018] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.06.2024 (II)]

(1) IA- शुष्क पश्चिमी मैदान

(2) IC- अति शुष्क आंशिक सिंचित क्षेत्र

(3) IIA- आंतरिक जल निकासी शुष्क क्षेत्र

(4) IV A - उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान

Ans. (2)

Scanned with OKEN Scanner

राजस्थान के कृषि जलवायु क्षेत्र (10) : एक दृष्टि में

जोन	जलवायुविक क्षेत्र	विशेषताएँ
IA	**शुष्क मैदानी पश्चिमी**(Arid Western Plain) **जिले**-बाड़मेर, बालोतरा, फलौदी एवं जोधपुर	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 4.74 • **तापमान** (Min.-Max.) : 8-40 • **वर्षा** : 200-370 • **फसल** : खरीफ - बाजरा, मोठ, तिल, रबी - गेहूँ, सरसों, जीरा • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-रामपुरा, जोधपुर • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : मण्डोर, जोधपुर
IB	**सिंचित मैदानी उत्तरी पश्चिमी** (Irrigated North-Western Plain) **जिले**-श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 2.10 • **तापमान** (Min.-Max.) : 4.7-42 • **वर्षा** : 100-350 • **फसल** : खरीफ - कपास, ग्वार, रबी - गेहूँ, सरसों, चना, फल- किन्नू • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-श्रीकरणपुर व हनुमानगढ़ • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : गंगानगर
IC सबसे बड़ा	**अति शुष्क आंशिक सिंचित क्षेत्र** (Hyper Arid Partial Irrigated Zone) **जिले**-बीकानेर, जैसलमेर, चूरू, फलौदी का कुछ हिस्सा (नोख तहसील)	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 7.70 • **तापमान** (Min.-Max.) : 3-48 • **वर्षा** : 100-350 • **फसल** : खरीफ - बाजरा, मोठ, ग्वार, रबी - गेहूँ, सरसों, चना • **मिट्टी** - मरुस्थलीय मृदा • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र** -लूणकरणसर • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : बीछवाल, बीकानेर
IIA	**अन्त:स्थलीय जलोत्सरण के अन्तर्वती मैदानी** (Transitional Plain inland drainage) **जिले**-नागौर, सीकर, झुन्झुनूँ, डीडवाना- कुचामन, एवं चूरू का कुछ भाग	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 3.69 • **तापमान** (Min.-Max.) : 5.3-39.7 • **वर्षा** : 300-500 • **फसल** : खरीफ - बाजरा, ग्वार, दालें, रबी - सरसों, चना • **मिट्टी** - रेतीली दोमट, अवसादों में गहराई वाली लाल मिट्टी • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-आबूसर, झुन्झुनूँ • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : फतेहपुर, सीकर
IIB	**लूनी नदी का अन्तर्वती मैदानी** (Tranisitional Plain of Luni Basin) **जिले**- जालौर, पाली, ब्यावर व सिरोही का कुछ भाग	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 3.00 • **तापमान** (Min.-Max.) : 4.9-38 • **वर्षा** : 300-500 • **फसल** : खरीफ - मोठ, ग्वार, तिल रबी - सरसों, गेहूँ • **मिट्टी** - लाल रेतीली, सिरोजम मिट्टी • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-सुमेरपुर, पाली • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : केशवाणा, जालौर
IIIA	**अर्द्ध शुष्क पूर्वी मैदानी** (Semi Arid Eastern Plain) **जिले**- जयपुर, दौसा, टोंक, अजमेर, खैरथल-तिजारा कोटपूतली-बहरोड़ का कुछ भाग	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 2.97 • **तापमान** (Min.-Max.) : 8.3-40.6 • **वर्षा** : 500-700 • **फसल** : खरीफ - बाजरा, ग्वार, ज्वार रबी - सरसों, गेहूँ, चना • **मिट्टी** - सिरोजम , एल्युवियल, लिथिसोल्स, मुरड़ युक्त (चूनी मृदा) • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-तबीजी, अजमेर • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : दुर्गापुरा, जयपुर
IIIB	**बाढ़ संभाव्य पूर्वी मैदानी** (Flood Prone Eastern Plain) **जिले**-सवाई माधोपुर करौली, भरतपुर, धौलपुर, अलवर, डीग,	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 2.77 • **तापमान** (Min.-Max.) : 8.2-40 • **वर्षा** : 500-700 • **फसल** : खरीफ - बाजरा, ग्वार, मूँगफली रबी - सरसों, गेहूँ, जौ, चना • **मिट्टी** - कांपीय/जलोढ़, चूना युक्त दोमट मिट्टी • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-मलिकपुर, भरतपुर • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : नौगाँव, अलवर
IVA	**उप आर्द्र दक्षिणी मैदानी** (Sub-Humid Southern Plain) **जिले**-सिरोही, भीलवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमन्द,	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 3.36 • **तापमान** (Min.-Max.) : 8.1-38.6 • **वर्षा** : 500-900 • **फसल** : खरीफ - मक्का, दालें, ज्वार रबी - गेहूँ, जौ • **मिट्टी** - पहाड़ी क्षेत्र में लिथोसोल्स (पथरीली) व मैदानी क्षेत्र में दोमट मिट्टी • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-चित्तौड़गढ़ • **वैज्ञानिक अनु. केन्द्र** : उदयपुर, अरजिया (भीलवाड़ा)
IVB सबसे छोटा	**आर्द्र दक्षिणी मैदानी** (Humid Southern Plain) **जिले**- डूँगरपुर, सलूम्बर,बाँसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 1.72 • **तापमान** (Min.-Max.) : 7.2-39 • **वर्षा** : 500-1100 • **फसल** : खरीफ - मक्का, **धान** (चावल), ज्वार, उड़द दाल रबी - गेहूँ, चना • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-कार्यरत नहीं • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : बोरवट (बाँसवाड़ा)
V	**आर्द्र दक्षिणी पूर्वी मैदानी** (Humid South-Eastern Plain) **जिले**-बूँदी, कोटा, बाराँ, झालावाड़,	• **क्षेत्रफल** (मि.है.) : 2.70 • **तापमान** (Min.-Max.) : 10.6-42.6 • **वर्षा**: 650-1000 • **फसल** : खरीफ - ज्वार, **सोयाबीन** रबी - गेहूँ, सरसों • **ग्राह्य परीक्षण केन्द्र**-छत्रपुरा, बूँदी • **वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र** : उम्मेदगंज, कोटा

Scanned with OKEN Scanner

❐ बीकानेर-जैसलमेर और चुरू राजस्थान के किस कृषि-जलवायु प्रदेश/खण्ड में सम्मिलित है- [VDO-28.12.2021 (S-II)]
(1) अन्त: प्रवाह शुष्क खण्ड
(2) पश्चिमी शुष्क मैदान(3) अति शुष्क आंशिक सिंचित
(4) उत्तरी-पश्चिमी सिंचित मैदान
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ कृषि जलवायु प्रदेश एवं जिले में कौनसा जोड़ा सही सुमेलित है- [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]
(1) II A - चूरू (2) III A - दौसा
(3) IV A - करौली (4) I A - गंगानगर
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ जयपुर, अजमेर, दौसा और टोंक जिले किस कृषि-जलवायु प्रदेश में सम्मिलित है- [EEO -19.06.2024] [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]
(1) बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदान(2) अर्द्ध शुष्क पूर्वी मैदान
(3) अर्द्ध आर्द्र दक्षिणी मैदान (4) आर्द्र दक्षिणी मैदान
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान के कौनसे जिले 'आर्द्र दक्षिणी-पूर्वी मैदान' कृषि - जलवायु प्रदेश के अन्तर्गत आते हैं? [II Grade Teacher -31.10.2018]
(1) डूँगरपुर तथा बाँसवाड़ा
(2) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा तथा प्रतापगढ़
(3) राजसमन्द, भीलवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़
(4) कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़
Ans. (4) *व्याख्या - अग्रलिखित सारणी में देखें।*

❐ राजस्थान का कौनसा जिला 'आर्द्र दक्षिण पूर्वी मैदान' के कृषि-जलवायु प्रदेश में शामिल नहीं है? [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]
(1) बूँदी (2) कोटा (3) उदयपुर (4) बाराँ
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ सिरोही, पाली तथा जालौर जिले, राजस्थान के किस कृषि जलवायु खण्ड के अन्तर्गत आते हैं? [VDO Mains -09.07.2022]
(1) I-A (2) II-A (3) II-B (4) III-B
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ सोयाबीन की खेती राजस्थान के किस कृषि जलवायु खण्ड में प्रमुखता से की जाती है? [पटवार- 2008] [JEN (Diploma) Exam - 21.08.2016]
(1) बाढ़-सम्भाव्य पूर्वी मैदान
(2) उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान
(3)आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान(4)सिंचित उत्तर-पश्चिमी मैदान
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ भीलवाड़ा, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ जिले राजस्थान के किस कृषि-जलवायु प्रदेश में सम्मिलित किये जाते हैं-[Librarian Gr.-II- 2.8.2020][JEN (Agri.) 10.9.2022] [Research Officer-04.08.2024]
(1) उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान (2) आर्द्र दक्षिणी-पूर्वी प्रदेश
(3) आर्द्र दक्षिणी मैदान (4) बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदान
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान का दो-तिहाई से अधिक चावल उत्पादक क्षेत्र किस कृषि-जलवायु खण्ड के अन्तर्गत आता है- [JEN Diploma (TSP) Exam - 16.10.2016]
(1) आर्द्र दक्षिणी मैदान(2) सिंचित उत्तरी-पश्चिमी मैदान
(3) शुष्कपश्चिमी मैदान(4) बाढ़ सम्भाव्य पूर्वी मैदान
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा कृषि-जलवायु खण्ड है ?[JEN (Diploma) - 21.08.2016] [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020] [वनरक्षक- 2013] [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022,(Science) -28.06.2022]
(1) आर्द्र दक्षिणी मैदानी (2) अर्द्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी
(3)बाढ़ सम्भाव्य पूर्वी मैदानी(4)आर्द्र दक्षिणी पूर्वी मैदानी
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान के एक कृषि-जलवायु प्रदेश के सम्बन्ध में निम्न तथ्यों को पढ़कर कृषि जलवायु प्रदेश को पहचानिये- [सहायक सांख्यिकी अधिकारी (25.08.2024)]
1. इस प्रदेश की औसत वर्षा 30 से 50 सेमी. है।
2. इस प्रदेश में लाल रेतीली तथा सीरोजेम मृदा पायी जाती हैं।
3. गेहूँ, सरसों एवं तिल इस प्रदेश की प्रमुख रबी की फसलें हैं।
(1) I-C (2) III-A (3) II-A (4) II-B
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान के शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र में खरीफ की कौनसी मुख्य फसलों को बोया जाता है- [Stenographer-15.10.2024]
(1) गेहूँ व चना (2) बाजरा, मोठ व तिल
(3) गेहूँ, सरसों व जीरा (4) सरसों व चना
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

15. पशुधन : डेयरी, मत्स्य

❒ राज्य मन्त्रिमण्डल ने पशुधन विकास नीति की घोषणा की- [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) 17 फरवरी, 2010 (2) 26 जनवरी, 2010
(3) 15 अगस्त, 2010 (4) 1 अप्रैल, 2010

Ans. (1)

व्याख्या - 17 फरवरी 2010 को राजस्थान में प्रथम बार पशुधन विकास नीति लागू की गई।

❒ भारत में दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान का कौनसा स्थान है? [CET (10+2) 24.10.2024 (S-I)] [जेल प्रहरी-2017]

(1) दूसरा (2) चौथा (3) पहला (4) तीसरा

Ans. (1)

व्याख्या- भारत में दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान का द्वितीय (14.44%) स्थान तथा मांस उत्पादन में बारहवाँ (2.46%), अण्डा उत्पादन में 13वाँ स्थान (2%) है।

❒ निम्नलिखित पशु उत्पादों में से कौनसा एक राजस्थान का मुख्य पशु उत्पाद है? [LDC Exam -12.08.2018]

(1) मीट (मांस) (2) अण्डा (3) चमड़ा (4) दूध

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान के 2018-19 के बजट में निम्न में से किस स्थान पर ऊँटनी के दूध के प्रसंस्करण एवं विपणन के लिए मिनी प्लांट स्थापित करने की घोषणा की गई है?[PSI -07.10.2018][उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]

(1) बीकानेर (2) जयपुर (3) बाड़मेर (4) जैसलमेर

Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान के 2018-19 के बजट में जयपुर में ऊँटनी के दूध के प्रसंस्करण एवं विपणन के लिए मिनी प्लांट स्थापित करने की घोषणा की गई है। ऊँटों के संरक्षण के लिए जयपुर में ऊँट संरक्षण केन्द्र भी स्थापित किया जाएगा।

❒ ऊँटों के संरक्षण के लिए ऊँट संरक्षण केन्द्र स्थापित किया जाएगा? [जेल प्रहरी 28-10-2018, Shift -II]

(1) अलवर (2) जयपुर (3) सीकर (4) झुन्झुनूं

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में ऊँट की कौनसी नस्ल तेज दौड़ने में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है-[JEN Degree (TSP)- 16.10.2016]

(1) बीकानेरी (2) कच्छी (3) जैसलमेरी (4) अलवरी

Ans. (3)

व्याख्या-जैसलमेर, जोधपुर, जालोर आदि जिलों में पायी जाने वाली 'जैसलमेरी' नस्ल मुख्य रूप से सवारी हेतु उपयोगी है। जैसलमेर के नाचना का ऊँट सर्वश्रेष्ठ ऊँट माना जाता है। यह ऊँट की सबसे अच्छी नस्ल हैं जो कि तेज दौड़ने के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। ऊँट की अन्य नस्लें-गुरहा, काछी, गोमठ (सवारी हेतु), कच्छी, केसपाल अलवरी।

❒ 'नाचना' ... की एक नस्ल है?[वनपाल-6.11.2022(S-I)]

(1) गाय (2) भेड़ (3) ऊँट (4) बकरी

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में कौनसी नस्ल ऊँट से संबंधित है [कॉलेज व्याख्याता-2016]

(1) पूगल (2) बारबरी (3) गुरहा (4) मेवाती

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ गोमठ और मेवाड़ी किसकी नस्लें हैं- [Head Master -11.10.2021]

(1) भैंस (2) बकरी (3) ऊँट (4) भेड़

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ गिरबाण ऊँट की सजावट में किस भाग में प्रयुक्त है? [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]

(1) पैर में (2) गले में (3) पीठ पर (4) नाक में

Ans. (4)

व्याख्या - विधानसभा ने राजस्थान ऊँट (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन) विधेयक 2015 पारित कर दिया। इसके तहत अब ऊँट को नाक में नकेल कसने पर भी जेल होगी।

❒ सर्रा (तिबरसा) रोग संबंधित है- [सांख्यिकी अधिकारी- 20.12.2021]

(1) भैंस से (2) सूअर से (3) बकरी से (4) ऊँट से

Ans. (4)

व्याख्या - सर्रा रोग प्रोटोजोआ ट्रिपैनोसोमा के कारण पालतू पशुओं में होता है। ऊँट में बीमारी का कोर्स 3 साल का होने के कारण इसे तिबरसा भी कहा जाता है।

❒ राजस्थान राज्य का कौन-सा एक जिला डेयरी दुग्ध संकलन में प्रथम क्रम पर है? [LDC -19.08.2018]

(1) अलवर (2) भरतपुर (3) जयपुर (4) बीकानेर

Ans. (3) *सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन - जयपुर*

Scanned with OKEN Scanner

❑ राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्व-विद्यालय कहाँ स्थित है? [पशुधन सहायक- 21.10.2018]
(1) उदयपुर (2) बीकानेर (3) जयपुर (4) कोटा
Ans. (2)

व्याख्या - राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय (राजुवास (RAJUVAS) - Rajasthan University of Veterinary & Animal Science), बीकानेर : तकनीकी अधिकारियों की गुणवत्तापूर्ण सुविधा एवं क्षेत्र में नये अनुसंधानों को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु राजस्थान राज्य में 13 मई, 2010 को 'पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय' की स्थापना बीकानेर में की गई। यह राजस्थान का प्रथम वेटरनरी विश्वविद्यालय है। कृषि बजट 2023-24 में इसका नया नाम 'श्री गुरु जम्भेश्वर पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय' किया गया। प्रो. ए. के. गहलोत को इसका प्रथम कुलपति नियुक्त किया गया था। बीकानेर वेटरनरी विश्वविद्यालय में पशुधन चारा संसाधन एवं तकनीकी केन्द्र और पशुजैव विविधता संरक्षण केन्द्र स्थापित हैं। ज्ञातव्य है कि राजस्थान का दूसरा वेटनरी विश्वविद्यालय जोबनेर (जयपुर) में प्रस्तावित (2023) किया गया है।

❑ राजस्थान विधानसभा द्वारा 2023में पारित विधेयक द्वारा दूसरा राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्व-विद्यालय कहाँ स्थापित किया जाएगा?[RAS-1.10.2023]
(1) गंगानगर (2) जोबनेर (3) अजमेर (4) जोधपुर
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ डेयरी एवं खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी महाविद्यालय - राजस्थान का एकमात्र महाविद्यालय स्थित है ?
[R.A.S. Pre Exam, 2007]
(1) जोधपुर में (2)जयपुर में (3) कोटा में (4) उदयपुर
Ans. (4)

व्याख्या-महाराणा प्रताप कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय उदयपुर में 1 नवम्बर, 1999 में दक्षिणी व दक्षिणी पूर्वी राजस्थान में कृषि शिक्षा व विश्वविद्यालय, उदयपुर अनुसंधान को अधिक प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाने हेतु स्थापित। ज्ञातव्य है कि राजस्थान में प्रथम कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना 1962 में उदयपुर में की गई, जिसे 1987 में बीकानेर स्थानान्तरित किया गया था।

❑ केन्द्रीय ऊन विकास बोर्ड स्थित है-
[II Grade T.- 1.5.2017]
(1) जोधपुर (2) जयपुर (3) अविकानगर (4) दिल्ली
Ans. (1)

व्याख्या - केन्द्रीय ऊन विकास बोर्ड जोधपुर में 1987 में स्थापित किया गया।

❑ राजस्थान में भेड़-ऊन शिक्षण संस्थान कहाँ है?
[Police Constable Exam- 2013]
(1) बीकानेर (2) जोधपुर (3) बाड़मेर (4) जयपुर
Ans. (4)

❑ पशु जनगणना-2019 के अनुसार किसकी जनसंख्या सबसे अधिक है-[Assistant Agri. Officer -28.05.2022]
[R.A.S., 1992][JEN(Mech.)Diploma- 2016]
[क. वैज्ञानिक सहायक(जैविक) 15.9.2019,(अस्त्रशत्र) 21.9.2019]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]
[JEN Degree (TSP) Exam - 16.10.2016]
(1) बकरी (2) भैंस (3) भेड़ (4) ऊँट
Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान का सर्वाधिक पशुधन (घटते हुए क्रम में) - बकरी > गौवंश > भैंस > भेड़ > ऊँट।

❑ पशुपालन विभाग, राजस्थान सरकार के नस्ल सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत ली गई, झखराना, सिरोही एवं मारवाड़ी नस्ले, सम्बन्धित हैं-[RAS Pre-26.10.2013]
(1) गायों से (2) ऊँटों से (3) बकरियों से (4) भेड़ों से
Ans. (3)

व्याख्या- बकरियों की प्रमुख नस्ल - जखराना (सर्वाधिक दूध), जमुनापरी, बरबरी (सर्वाधिक सुन्दर एवं सर्वाधिक प्रजनन क्षमता), मारवाड़ी (सबसे पुरानी), शेखावाटी (बिना सींग वाली), सिरोही, झड़वारी, लोही (मांस हेतु प्रसिद्ध) है। ज्ञातव्य है कि वरुण (परबतसर, डीडवाना-कुचामन जिला) गाँव की बकरी विशेष प्रसिद्ध है।

❑ निम्नलिखित में से कौन-सी बकरी की नस्ल है-
[कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) सीधी भर्ती परीक्षा- 23.03.2019]
[ACF & FRO Exam - 18.02.2021]
(1) मालवी (2) मेवाड़ी (3) पूगल (4) जखराना
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ बरबरी एक प्रजाति है-[पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.9.2020]
(1) गाय (2) बकरी (3) घोड़ा (4) भैंस
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ कौनसी बकरी की नस्ल है?[सांख्यिकी अधिकारी-25.2.2024]
(1) कांकरेज (2) सिरोही (3) मालवी (4) सांचौरी
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ राजस्थान में भेड़ों की कितनी नस्लें पाई जाती है?
[Agriculture Officer : 29.01.2013]
(1) पाँच (2) छः (3) सात (4) आठ
Ans. (4)*

व्याख्या - भेड़ की प्रमुख नस्ले -
(i) चोकला : यह नस्ल चूरू, सीकर, झुन्झुनूँ, जयपुर आदि जिलों में बहुतायत से पायी जाती है। इसे छापर या शेखावाटी भी कहते हैं। इस नस्ल की ऊन उत्तम होने के कारण इसे 'भारतीय मेरीनो' कहा जाता है।
(ii) जैसलमेरी : यह नस्ल जैसलमेर, फलौदी का दक्षिणी तथा जोधपुर का पश्चिमी भाग में पायी जाती है। इस नस्ल की भेड़े सर्वाधिक ऊन (4 किग्रा. प्रति वर्ष प्रति भेड़) उत्पादित करती है। इस नस्ल की ऊन गलीचे के लिए उपयुक्त है।
(iii) मारवाड़ी : यह नस्ल जैसलमेर, जोधपुर, फलौदी, नागौर, डीडवाना-कुचामन, झुन्झुनूँ, सीकर, जालोर आदि जिलों में पायी जाती है। इस नस्ल की भेड़ें लम्बी दूरी तय करने व अधिक समय तक निरोगी रहने के लिए प्रसिद्ध है।
(iv) नाली : मुख्य रूप से गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर व चूरू जिलों में पायी जाने वाली इस नस्ल की ऊन लम्बे रेशे वाली तथा कालीन बनाने योग्य होती है।
(v) पूगल : बीकानेर जिले के पूगल नामक स्थान पर उत्पन्न हुई यह नस्ल मुख्यतः बीकानेर व जैसलमेर जिलों में पायी जाती है। इसकी ऊन गलीचे के लिए उपयुक्त है।
(vi) मगरा : बीकानेर, गंगानगर, जैसलमेर, नागौर आदि जिलों में पायी जाने वाली इस नस्ल की ऊन सर्वाधिक लम्बी होती है जो कालीन बनाने के लिए उपयुक्त मानी जाती है। इसे बीकानेरी चोकला व चकरी भी कहते हैं।
(vii) सोनाड़ी (चनोथर) : उदयपुर, डूँगरपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, कोटा, झालावाड़ आदि जिलों में पायी जाने वाली इस नस्ल की भेड़ों की मुख्य विशेषता लम्बे कान व लम्बी पूँछ है।
(viii) मालपुरी : 'देशी नस्ल' नाम से प्रसिद्ध यह नस्ल मुख्यतः टोंक, जयपुर, अजमेर, ब्यावर, सवाईमाधोपुर जिलों में पायी जाती है।
(ix) खेरी : यह नस्ल सर्वाधिक जोधपुर, नागौर, डीडवाना - कुचामन और पाली में पाई जाती है। यह सफेद ऊन के लिए प्रसिद्ध है।
(x) बागड़ी : मुख्यतः अलवर, खैरथल-तिजारा जिले में पायी जाने वाली इस नस्ल की भेड़ें लगभग 75 प्रतिशत काली मुँह व शेष सफेद मुँह वाली होती है। इस नस्ल से प्राप्त ऊन का रेशा बहुत छोटा होता है।

❑ कौनसी भेड़ की नस्ल 'चकरी' के नाम से जानी जाती है- [JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]
(1) मगरा (2) नाली (3) सोनाड़ी (4) चोकला
Ans. (1) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ भेड़ों की 'खेरी' नस्ल पाई जाती है-
[व्याख्याता आयुर्वेद-13.11.2021][JEN (Civil) Deg. - 18.5.2022]
(1) जोधपुर, पाली और नागौर जिलों में
(2) अलवर, भरतपुर और दौसा जिलों में
(3) कोटा, बारां और बूँदी जिलों में
(4) जैसलमेर, बीकानेर और गंगानगर जिलों में
Ans. (1) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ नस्ल-पशु में सुमेलित नहीं है-[VDO-27.12.2021 (S-I)]
(1) सांचौरी-गाय (2) मेहसाना-भैंस
(3) सोनाड़ी-भेड़ (4) खेरी-बकरी
Ans. (4) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ भेड़ की सोनाड़ी प्रजाति अधिकांशतः राजस्थान के किन जिलों में पाई जाती है- [PSI - 14.09.2021]
[JEN (Civil) Degree 12.09.2021]
(1) जैसलमेर,भरतपुर,बाड़मेर (2) उदयपुर, डूँगरपुर, भीलवाड़ा
(3) जयपुर, जोधपुर, टोंक (4) गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर
Ans. (2) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ चोकला नस्ल है- [II Grade GK - 21.12.2022]
(1) ऊँट (2) भेड़ (3) बकरी (4) गौवंश
Ans. (2) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ नाली नस्ल है-[स्कूल व्याख्याता (Physical Edu.)-21.10.2022]
(1) घोड़े की (2) भेड़ की (3) ऊँट की (4) गौवंश की
Ans. (2) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ सोनाड़ी, मगरा, पूगल किस पशु के प्रकार हैं?
[LDC., 2012] [JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]
(1) बकरी (2) भेड़ (3) गाय-बैल (4) ऊँट
Ans. (2) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ निम्नलिखित में से कौनसी भेड़ की नस्ल राजस्थान में नहीं है? [I Grade (Sans.Edu.) - 15.11.2022]
(1) मगरा (2) मारवाड़ी (3) मालपुरा (4) मालवी
Ans. (4) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❑ 'सोनाड़ी' और 'नाली' नस्लें हैं।
[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]
(1) भेड़ की (2) बकरी की (3) गोवंश की (4) ऊँट की
Ans. (1) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

❒ किस नस्ल की भेड़ शेखावाटी क्षेत्र में पायी जाती है जो अच्छी किस्म की ऊन के लिए प्रसिद्ध है?
[RPSC Eng.-1998][जेल प्रहरी29-10-2018, Shift -I]
[Stenographer Exam : 30.05. 2013]
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]
(1) चनोथर (2) चोकला (3) रामपुरी (4) जाफरावादी
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्न में से कौनसी भेड़ की प्रजाति भारतीय मेरिनो के नाम से जानी जाती है? [पशुधन सहायक- 21.10.2018]
[JEN (यांत्रिकी) डिग्री-13.12.2020]
[कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा)- 20.3.2019, (वेल्डर)- 26.3.2019]
[JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]
(1) मगरा (2) चोकला (3) सोनाड़ी (4) पुंगल
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ भेड़ की वह नस्ल जो मुख्यत: नागौर जिले की सीमावर्ती क्षेत्र में पाई जाती है-[जेल प्रहरी.28-10-2018]
(1) मारवाड़ी (2) मालपुरा (3) चोकला (4) नाली
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौनसी नस्ल भेड़ की है?[II Grade GK - 22.12.2022]
(1) जमनापारी (2) मालवी (3) गिर (4) पूगल
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौनसी भेड़ अधिक ऊन उत्पादन के लिए विख्यात है-[वनरक्षक- 2013][अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]
(1) चोखला (2) पूगल (3) मालपुरी (4) जैसलमेरी
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ पशुनस्ल - पशु में से कौनसा एक सही सुमेलित नहीं है- [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]
(1) नाली - भेड़ (2) नागौरी - गाय
(3) शेखावाटी - बकरी (4) मालपुरी - भैंस
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ 'मालपुरी' .... की एक नस्ल है?
[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
(1) गाय (2) भेड़ (3) बकरी (4) भैंस
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौनसी भेड़ काले मुँह गुण वाली होती है?
[Food Safety Officer - 27.06.2023]
(1) मगरा (2) सोनाड़ी (3) नाली (4) मारवाड़ी
Ans. (*) *व्याख्या : बागड़ी भेड़ सही उत्तर है।*

❒ निम्न में से किस केस में 'अविका कवच बीमा योजना' प्रभावी है? [LDC-12.08.2018]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]
[JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022]
(1) भेड़ की अप्राकृतिक मृत्यु (2) आग से घरेलू नुकसान
(3)वाहन को एक्सीडेंट क्षति (4)गेहूँ की फसल को नुकसान
Ans. (1)

व्याख्या:अविका कवच बीमा योजना - राज्य में भेड़पालकों के कल्याण के लिए 'अविका कवच बीमा योजना' कार्यान्वित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि भेड़पालन को सुदृढ़ करने के लिए वर्ष 2004-05 में अविका कवच, अविकापालन जीवनरक्षक योजना तथा अविरक्षक योजना प्रारंभ की गई थी।

❒ राजस्थान में कौनसी भेड़ की नस्ल नहीं है?
[सहायक सांख्यिकी अधिकारी-27.05.2019]
[कॉलेज व्याख्याता-2016] [AEN Exam : 16.05.2014]
(1) मालवी (2) नाली (3) मालपुरी (4) सोनारी
Ans. (1)

व्याख्या-मालवी, मेवाती, हरियाणवी, नागौरी, राठी, थारपारकर, सांचोर (कांकरेज) आदि गाय की नस्ल है।

❒ निम्नांकित में से कौनसा युग्म सही रूप से सुमेलित नहीं है- [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
(1) भेड़-बागड़ी, मारवाड़ी
(2) बकरी-जमनापुरी, जारवाली
(3) ऊँट-गोमत, बीकानेरी
(4) गाय -हरियाणवी, मुर्रा
Ans. (4) *व्याख्या-मुर्रा भैंस की नस्ल है।*

❒ राजस्थान के उक्त मानचित्र में पशुओं की प्रसिद्ध नस्लों के क्षेत्रीय वितरण को (i), (ii), (iii) और (iv) से अंकित किया गया हैं दी गई क्रमावली से इनका सही अनुक्रम पहचानिए- [Patwar Main 24.12.16]

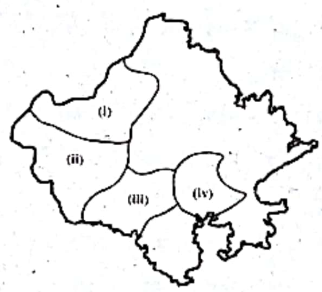

(1) राठी, थारपारकर, कांकरेज, गिर
(2) कांकरेज, गिर, थारपारकर, राठी
(3) थारपारकर, राठी, गिर, कांकरेज
(4) थारपारकर, कांकरेज, गिर, राठी
Ans. (1)

Scanned with OKEN Scanner

व्याख्या - *(i)* राठी -बीकानेर (उत्तरी-पश्चिमी राजस्थान) : यह गाय की सर्वश्रेष्ठ नस्ल है।
(ii) गिर- अजमेर (दक्षिण पूर्व मध्यवर्ती राजस्थान) : गुजरात के सौराष्ट्र प्रदेश में स्थित गिर वन की इस द्विप्रयोजनीय नस्ल को राजस्थान में 'रैंडा' तथा अजमेर में 'अजमेरा' कहते हैं।
(iii) थारपारकर- बाड़मेर (पश्चिमी राजस्थान) : इसे मालाणी व थारी भी कहा जाता है।
(iv) सांचौर (कांकरेज) - जालौर (दक्षिणी पश्चिमी राजस्थान): इस नस्ल के बैल तेज दौड़ने व बोझा ढोने के लिए प्रसिद्ध है।

❑ गुजरात के 'गिर' प्रकार की गाय नस्ल को राजस्थान में कहा जाता है? [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) नागौरी (2) थारपारकर (3) रैण्डा (4) राठी
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ दुग्ध उत्पादन हेतु गाय की प्रसिद्ध किस्म है? [Lab Assistent (Science) -29.06.2022]
(1) गिर और राठी (2) राठी और नागौरी
(3) मेवाती और मालवी (4) मालवी और थारपारकर
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ निम्नलिखित गाय की नस्लों में से किसका मूल स्थान राजस्थान में माना जाता है? [III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) थारपारकर (2) राठी (3) मालवी (4) गिर
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ कौनसा कथन राजस्थान में गिर गौ वंश के बारे में असत्य है- [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]
(1) इसे अजमेर में पाला जाता है।
(2) इसे रेन्डिया के नाम से भी जाना जाता है।
(3) बैल को दौड़-खेल में उपयोग लिया जाता है।
(4) इसका उद्भव सौराष्ट्र से है।
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ गौवंश-जिला व क्षेत्र सुमेलित कीजिए- [PTI- 2015]
[वनरक्षक-13.12.2022(S-II)]
[द्वितीय श्रेणी शिक्षक-2014]

A. राठी	1. बाड़मेर (पश्चिमी राजस्थान)
B. थारपारकर	2. बीकानेर(उत्तरी पश्चिमी राजस्थान)
C. गिर	3. जालौर(दक्षिणी पश्चिमी राजस्थान)
D. कांकरेज	4. अजमेर(दक्षिण पूर्व मध्यवर्ती राजस्थान)

कूट:	A	B	C	D	कूट:	A	B	C	D
(1)	2	4	3	1	(2)	3	4	1	2
(3)	1	2	3	4	(4)	2	1	4	3

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ कौनसा गौवंश नस्ल 'अजमेरा' के नाम से भी जाना जाता है- [Veterinary Officer - 02.08.2020]
(1) राठी (2) कांकरेज (3) गिर (4) थारपारकर
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ कांकरेज महत्त्वपूर्ण नस्ल है- [AEN Exam : 16.05.2014]
[आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग) परीक्षा -25.03.2018]
(1) गोधन की (2) भैंस की (3) बकरी की (4) भेड़ की
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में पायी जाने वाली गाय की सर्वश्रेष्ठ नस्ल का नाम बताओ जो लाल सिंधि व साहीवाल गायों की नस्लों का मिश्रण है ? [वनरक्षक परीक्षा- 2013]
(1) राठी (2) गौर (3) मेवाती (4) मुर्राह
Ans. (1)

व्याख्या - यह गाय की सर्वश्रेष्ठ नस्ल है, जो लालसिंधि और साहीवाल के मिश्रण से उत्पन्न हुई है। यह नस्ल जैसलमेर के उत्तरी-पूर्वी भाग, बीकानेर के पश्चिमी भाग में पायी जाती है।

❑ राठी प्रजाति कौनसी दो गायों की शंकर प्रजाति है-[कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन) सीधी भर्ती - 24.03.2019]
(1) सिन्धि व मालवी (2) सिन्धि व साहीवाल
(3) साहीवाल व मालवी (4) मालवी व नागौरी
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में पाई जाने वाली गायों की नस्लों में निम्न से कौन नहीं है- [Asstt. Agriculture Officer Exam- 31.05.2019]
(1) थारपारकर (2) कांकरेज (3) चोकला (4) रथ
Ans. (3) *व्याख्या - चोकला भेड़ की नस्ल है।*

❑ निम्नलिखित में से कौनसी गौवंश की नस्ल नहीं है? [II Grade Teacher -28.10.2018]
(1) मालवी (2) राठी (3) कांकरेज (4) बागड़ी
Ans. (4) *व्याख्या - बागड़ी भेड़ की नस्ल है।*

❑ निम्न में से गाय की कौन-सी प्रजाति जालौर, सिरोही, पाली व बाड़मेर जिलों में पाई जाती है- [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]
(1) राठी (2) मेवाती (3) थारपारकर (4) कांकरेज
Ans. (4)

Scanned with OKEN Scanner

व्याख्या – सांचौर (कांकरेज) नस्ल पाली, जालौर, उदयपुर, बाड़मेर, बालोतरा, सिरोही आदि जिलों में पायी जाती है। इस नस्ल के बैल तेज दौड़ने व बोझा ढोने के लिए प्रसिद्ध है।

❑ **कांकरेज नस्ल अधिकांशतः जिस जिले में पाई जाती है, वह है-** [स्कूल व्याख्याता (Coach)-20.10.2022]
(1) बांसवाड़ा (2) बाड़मेर (3) अजमेर (4) भीलवाड़ा
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **थारपारकर प्रजाति कहाँ पाई जाती है** [कारापाल 2012]
[R.A.S. Pre Exam, 2007]
(1) जनजाति क्षेत्र (2) हाड़ौती क्षेत्र
(3) तोरावाती क्षेत्र (4) राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र
Ans. (4)

व्याख्या- थारपारकर को मालाणी व थारी कहा जाता है। गाय की यह नस्ल पश्चिमी शुष्क क्षेत्र बाड़मेर, पूर्वी जैसलमेर, फलौदी व पश्चिमी जोधपुर में पायी जाती है। इस नस्ल की गायें अधिक दुधारू और बैल परिश्रमी होते हैं।

❑ **दुग्ध-उत्पादन हेतु गाय की प्रसिद्ध नस्लें हैं?**
[R.A.S. - 1998]
[JEN (Mech.) Degree (TSP) - 16.10.2016]
(1) थारपारकर एवं राठी (2) राठी एवं नागौरी
(3) मालवी एवं थारपारकर (4) मेवाती एवं मालवी
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **बाड़मेर का 'मालाणी' क्षेत्र किस गौवंश का उत्पत्ति क्षेत्र है?** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)][II Grade (SST)2011]
(1) मालवी (2) थारपारकर (3) मेवाती (4) कांकरेज
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **थारपारकर नस्ल है?** [PSI - 14.09.2021]
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]
[Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.05.2022 (II)]
(1) भैंस (2) गाय (3) भेड़ (4) बकरी
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्नलिखित में से राजस्थान के कौनसे क्षेत्र में थारपारकर नस्ल पाई जाती है?** [LDC -09.09.2018]
वनरक्षक-11.12.2022(S-I)][व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021]
(1) पश्चिमी शुष्क क्षेत्र (2) शेखावाटी क्षेत्र
(3) पूर्वी क्षेत्र (4) दक्षिण-पूर्व क्षेत्र
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **थारपारकर नस्ल की गायें राजस्थान के निम्न में से किन जिलों में मिलती हैं?** [JEN (Diploma) - 21.08.2016]
(1) बाड़मेर एवं जैसलमेर (2) गंगानगर एवं हनुमानगढ़
(3) जालौर एवं सिरोही (4) अजमेर एवं भीलवाड़ा
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से कौन-सी गाय की नस्ल भारवाहक के लिये जानी जाती है-** [कृषि पर्यवेक्षक - 03.03.2019]
(1) राठी (2) साहीवाल (3) गिर (4) नागौरी
Ans. (4)

व्याख्या – नागौरी नस्ल की उत्पत्ति नागौर जिले के सोहालक गाँव में हुई। इस नस्ल की गायें कम दूध देने वाली तथा बैल भार ढोने व हल जोतने के लिए सर्वोत्तम है।

❑ **जाफराबादी नस्ल सम्बन्धित है-** [ग्राम सेवक-2008]
(1) गाय (2) भैंस (3) भेड़ (4) बकरी
Ans. (2)

व्याख्या- जाफरावादी : राजस्थान के दक्षिणी भाग में पायी जाने वाली यह नस्ल अधिक दूध (20-22 लीटर प्रतिदिन) देती है। उल्लेखनीय है कि यह नस्ल सर्वश्रेष्ठ ताकतवर मादा जानवर का पुरस्कार जीत चुकी है।

❑ **कौन-सी भैंस की नस्ल नहीं है?** [वनरक्षक - 2013]
(1) गिर (2) नागपुरी (3) मुर्रा (4) भदावरी
Ans. (1)

व्याख्या – • गिर : गाय की यह नस्ल दूध व बोझा ढोने हेतु प्रसिद्ध है। अतः इसे द्वि प्रयोजनीय नस्ल कहते है।
• मुर्राह : भैंस की इस सर्वश्रेष्ठ नस्ल के दूध में वसा की मात्रा अधिक (7-8 प्रतिशत) होती है। यह मुख्यतः जयपुर, अलवर, खैरथल-तिजारा, भरतपुर, डीग, चित्तौड़गढ़ आदि जिलों में पायी जाती है। खूड़ी (खुण्डी) भैंस के नाम से जानी जाने वाली यह नस्ल प्रतिदिन 20-25 लीटर दूध देती है। इसका प्रजनन केन्द्र कुम्हेर (डीग) में है।
• भदावरी नस्ल : इस नस्ल की भैंसों से सर्वाधिक मात्रा में वसा प्राप्त होती है।
• भैंसों की अन्य नस्लें : भूरा, जमना, नागपुरी, सूरती, पण्डरपुरी, राबी तथा मेहसाना।

❑ **भैंस की कौन-सी प्रजाति दुग्ध उत्पादन के लिए सर्वश्रेष्ठ है-** [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) परीक्षा- 20.03.2019]
[Stenographer-15.10.2024]
(1) मेहसाना (2) सूरती (3) मुर्राह (4) हरियाणी
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❐ नस्ल-पशुधन में गलत युग्म का चुनाव कीजिए- [II Grade (Sans. Dept.)-17.11.2024]

(1) मगरा - भेड़ (2) शेखावाटी - बकरी
(3) सूरती - ऊँट (4) गिर - गाय

Ans. (3) ***व्याख्या :*** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❐ निम्न में से भैंस की कौनसी नस्ल मुख्य रूप से बछड़ा पालन केन्द्र, डग, झालावाड़, राजस्थान में पाई जाती है- [पशु परिचर-1.12.2024 (S-II)]

(1) भदावरी (2) जाफरावादी (3) मेहसाणा (4) मुर्रा

Ans. (4)

❐ 'मालानी' नस्ल किसकी है? [II G. T. (Science)2010]

(1) गाय (2) ऊँट (3) घोड़ा (4) भैंस

Ans. (3)

व्याख्या - ***मालानी अश्व वंश*** - इस घोड़े में सुन्दरता व सुडौल शरीर काठियावाड़ी नस्ल से तथा तेज गति सिंधी नस्ल से आई है। राजस्थान में मुख्य रूप से मालानी नस्ल के घोड़े पाये जाते हैं। घोड़ों में सर्वश्रेष्ठ मानी जाने वाली यह नस्ल मुख्य रूप से बालोतरा जिले की सिवाना तहसील, जोधपुर एवं जालौर जिलों में पायी जाती है।

❐ मेवात नस्ल की गौवंश, भैंस व बकरी राजस्थान के किन जिलों में पाए जाते हैं- [JEN Diploma (TSP) - 16.10.2016]

(1) बूँदी, कोटा, बाराँ (2) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़
(3) अलवर, भरतपुर, धौलपुर (4) अजमेर, टोंक, भीलवाड़ा

Ans. (3)

❐ पशु व नस्ल गलत युग्म है- [AEN Exam - 16.12.2018]

(1) भेड़ - मगरा (2) भैंस - ओंगोल
(3) बकरी - सिरोही (4) ऊँट - मारवाड़ी

Ans. (2)

व्याख्या - *ओंगोल आंध्रप्रदेश में पायी जाने वाली गाय की नस्ल है।*

❐ पशु-नस्ल में से कौनसा सुमेलित नहीं है- [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]

(1) गाय-राठी (2) भैंस-मुर्रा (3) भेड़-मगरा (4) ऊँट-जखराना

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *जखराना बकरी की नस्ल है।*

❐ पशु एवं नस्ल में से कौनसा एक सुमेलित नहीं है- [Assistant Professor-22.9.2021]

(1) ऊँट-नाचना (2) भेड़-खेरी
(3) भैंस-मेहसाना (4) बकरी-नाली

Ans. (4) ***व्याख्या*** - *नाली भेड़ की नस्ल है।*

❐ सही सुमेलित नहीं है- [VDO-27.12.2021 (S-II)]

(1) चनोथर-भेड़ (2) कांकरेज-गौवंश
(3) लोही -भैंस (4) बरबरी - बकरी

Ans. (3) ***व्याख्या*** - *लोही बकरी की नस्ल है।*

❐ कौन-सी भैंस की नस्ल नहीं है? [कृषि पर्यवेक्षक- 3.3.2019]

(1) मुर्रा (2) नीली रावी (3) सूरती (4) राठी

Ans. (4) ***व्याख्या*** - *राठी गाय की नस्ल है।*

❐ कौनसा सुमेलित नहीं है? [वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]

(1) मुर्रा-भैंस (2) सोनारी-भेड़
(3) गोमठ-गाय (4) नाचना -ऊँट

Ans. (3) ***व्याख्या*** - *गोमठ ऊँट की नस्ल है।*

❐ कड़कनाथ एक किस्म है- [R.A.S.- 27.10.2021]

(1) साँड की (2) बकरे की (3) भैंसे की (4) मुर्गे की

Ans. (4)

व्याख्या -***मुर्गे की नस्लें*** - *बरसा, टेनी, असील, कड़कनाथ। ज्ञातव्य है कि कुक्कुट विकास हेतु* ***कड़कनाथ योजना बाँसवाड़ा*** *जिले में संचालित है।*

❐ कौनसा कथन सही नहीं है ? [II Grade (S-I) -29.1.2023]

(1) रथ प्रदेश में गौवंश प्रमुख पशुधन है ।
(2) मध्य राजस्थान मालवी पशुधन प्रदेश में सम्मिलित है।
(3) सिरोही, जालौर और पाली जिले काँकरेज पशुधन प्रदेश के भाग हैं।
(4) नागौर पशुधन प्रदेश बैलों के लिए प्रसिद्ध है।

Ans. (2)

❐ खेरी तथा लोही नस्लें हैं- [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) क्रमशः भेड़ तथा ऊँट (2) क्रमशः ऊँट तथा भेड़
(3) क्रमशः बकरी तथा भेड़ (4) क्रमशः भेड़ तथा बकरी

Ans. (4)

❐ सुमेलित कीजिए- [II Grade - 30.07.2023 (S- II)]

(A) भेड़	**(1) सूरती नस्ल**
(B) गौवंश	**(2) नाली नस्ल**
(C) भैंस	**(3) बरबरी नस्ल**
(D) बकरी	**(4) सांचौरी नस्ल**

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	1	4	2
(2)	2	4	3	1
(3)	2	4	1	3
(4)	4	3	1	2

Ans. (3)

Scanned with OKEN Scanner

❑ सही कथन चुनिए- [II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]
1. लोही बकरी की एक नस्ल है।
2. गुढा भैंस की एक नस्ल है।
3. जैसलमेरी ऊँट की एक नस्ल है।
(1) 1 और 2 सही है (2) 1 और 3 सही है
(3) 1, 2 और 3 सही है (4) 2 और 3 सही है
Ans. (2)

❑ रायका, निम्न में से किस महीने में पशुचारण के लिए बाहर जाते हैं? [पशु परिचर-2.12.2024 (S-I)]
(1) अगस्त (2) जून (3) जुलाई (4) अक्टूबर
Ans. (4)

❑ राजस्थान के मारू राइका मूलत हैं- [पशु परिचर-2.12.2024 (S-I)]
(1) बकरी के चरवाहे (2) ऊँट के चरवाहे
(3) भेड़ के चरवाहे (4) मवेशी के चरवाहे
Ans. (2)

❑ सुमेलित कीजिए- [Asst. Professor- 7.1.2024]

A. सूरती नस्ल	1. बकरी
B. मगरा नस्ल	2. भेड़
C. बरबरी नस्ल	3. गोवंश
D. मालवी नस्ल	4. भैंस

कूट:	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	3	2	1	4	(2)	4	2	1	3
(3)	4	2	3	1	(4)	2	4	1	3

Ans. (2)

❑ राजस्थान में कुक्कुटपालन प्रशिक्षण संस्थान कहाँ स्थित हैं? [RPSC कनिष्ठ लेखाकार परीक्षा-2 अगस्त,2015]
(1) अलवर (2) अजमेर (3) कोटा (4) टोंक
Ans. (2)

व्याख्या - कुक्कुटपालन प्रशिक्षण संस्थान, अजमेर में 1988 में स्थापित की गई।

❑ मवेशी की खरीद के रुपए देते समय निश्चित किए हुए मूल्य में से की जाने वाली छूट क्या कहलाती है? [जेल प्रहरी परीक्षा-2017]
(1) धावळी (2) घाटी (3) धारीजणी (4) धावळ
Ans. (3)

व्याख्या - मवेशी की खरीद के रुपए देते समय निश्चित किए हुए मूल्य में से की जाने वाली छूट धारीजणी कहलाती है।

❑ ऑपरेशन फ्लड के सूत्रधार हैं? [II Grade Teacher-2010]
(1) डॉ. रंधावा (2) डॉ. आर.एल. सिंह
(3) डॉ. वर्गीज कुरियन (4) डॉ. एस.बी. चौधरी
Ans. (3)

व्याख्या - डॉ. वर्गीज कुरियन - देश में 'श्वेत क्रांति' लाने वाले डॉ. वर्गीज कुरियन (90) का 9 सितम्बर 2012 को निधन हो गया। डॉ. कुरियन की अगुवाई में 'ऑपरेशन फ्लड' के बलबूते भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना। उन्होंने ब्रांड 'अमूल' को जन्म दिया था।

❑ 'ऑपरेशन फ्लड' किससे संबंधित है? [पशु परिचर-3.12.2024 (S-I)] [Lab Assist. (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) आपदा प्रबंधन (2) नदी जल संवर्धन
(3) वनीकरण (4) दुग्ध उत्पादन
Ans. (4)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ सुमेलित कीजिए- [Assist. Professor-8.9.2024]

पशुधन	नस्ल
(A) भैंस	(1) गोमठ
(B) ऊँट	(2) चनोथर
(C) भेड़	(3) जाफराबादी
(D) बकरी	(4) लोही

कूट :	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	3	1	2	4	(2)	2	1	3	4
(3)	1	3	4	2	(4)	3	1	4	2

Ans. (1)

❑ निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-
1. राजस्थान के बाड़मेर जिले में भेड़ों की संख्या राज्य में सबसे अधिक है-
2. सूरती, राजस्थान में पाई जाने वाली भैंस की एक नस्ल है। [II Grade (Sans. Dept.)-29.12.2024]
(1) केवल 2 सही है। (2) केवल 1 सही है।
(3) 1 और 2 दोनों सही है।(4) 1 और 2 दोनों गलत है।
Ans. (3)

❑ हाल ही 2024 में राजस्थान के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री द्वारा ऊँटनी का दूध किस ब्रांड नाम से शुभारंभ किया गया? [पशु परिचर-3.12.2024 (S-II)]
(1) अमूल (2) सरस (3) नंदिनी (4) ऊर्मूल
Ans. (2)

Scanned with OKEN Scanner

❑ राजस्थान की सबसे पुरानी डेयरी 'पद्मा' कहाँ है? [II Grade (Social Study) Exam. 2011]

(1) भरतपुर (2) जोधपुर (3) अजमेर (4) अलवर

Ans. (3)

व्याख्या – राजस्थान की सबसे पुरानी डेयरी 'पद्मा' (1975 में स्थापित) अजमेर में है।

❑ राजस्थान में पशुधन के लिए निःशुल्क दवा योजना कब प्रारंभ हुई ? [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]

(1) 2012 में (2) 2008 में (3) 2015 में (4) 2006 में

Ans. (1)

व्याख्या – राजस्थान सरकार ने पशुधन विकास हेतु 15 अगस्त, 2012 से पशु स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मुख्यमंत्री पशुधन निःशुल्क दवा वितरण योजना प्रारंभ की है।

❑ पशुपालकों के लिए राजस्थान में 'देवनारायण नगर एकीकृत आवासीय योजना' कहाँ विकसित की जा रही है? [Asst. Statistical Officer-08.07.2022]

(1) सिरोही (2) टोंक (3) कोटा (4) झालावाड़

Ans. (3)

व्याख्या – पशुपालकों हेतु देवनारायण नगर एकीकृत आवासीय योजना की आधारशिला मुख्यमंत्री द्वारा 17 अगस्त, 2020 को रखी गई जिसमें नगर विकास न्यास कोटा द्वारा प्रथम चरण में 738 आवासों का निर्माण कर 501 आवासों का आवंटन किया गया है।

❑ भारत में राजस्थान जिसके उत्पादन में प्रथम स्थान पर है- [R.A.S., 2003] [Asst. Jailer Exam-15.03.2016] [CET-G (S-I) - 27.09.2024]

(1) ऊन (2) रेशम (3) दूध (4) अण्डे

Ans. (1)

व्याख्या –राजस्थान में सम्पूर्ण राष्ट्र की 47.98% (प्रथम स्थान) ऊन उत्पादित होती है, जो देश में सर्वाधिक है। जोधपुर जिला राज्य का सर्वाधिक ऊन उत्पादक जिला है।

❑ 2019 के अनुसार भारत में ऊन उत्पादन में राजस्थान का कौनसा स्थान है? [पशुधन सहायक 04.6.2022]

(1) प्रथम (2) दूसरा (3) तीसरा (4) चौथा

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ भेड़ एवं बकरी की गर्भावधि कितने दिन है? [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) 280 दिन (2) 365 दिन (3) 151 दिन (4) 114 दिन

Ans. (3)

व्याख्या – भेड़ व बकरी की गर्भावधि 151 दिन, गाय की गर्भावधि 281 दिन, भैंस की गर्भावधि 310 दिन, ऊँटनी की 400 दिन, खरगोश की गर्भावधि 28-30 दिन है।

❑ रामसर (अजमेर) में स्थित 'बकरी विकास एवं चारा उत्पादन परियोजना' हेतु वित्तीय सहयोग किस देश से प्राप्त हुआ है? [Asstt. Agri. Officer- 31.5.2019]

(1) फ्रांस (2) स्वीडन (3) डेनमार्क (4) स्विट्जरलैण्ड

Ans. (4)

व्याख्या –बकरी विकास एवं चारा उत्पादन परियोजना – बकरी विकास परियोजना का मुख्य उद्देश्य सिरोही नस्ल की बकरियों का विकास कर ग्रामीण पिछड़े वर्गों की आय में वृद्धि करना है। स्विट्जरलैण्ड सरकार के वित्तीय सहयोग से राज्य में 1981-82 में प्रारंभ की गई इस योजना में अजमेर जिले के रामसर गाँव में एक बकरी प्रजनन फार्म स्थापित किया गया है। जिसमें स्विट्जरलैण्ड के एल्पाइन व टोगनबर्ग नस्लों के बकरों से सिरोही नस्ल की बकरियों का क्रॉस प्रजनन करवाकर बकरी नस्ल सुधार कार्य किया जाता है। वर्ष 1992-93 से स्विस सरकार की आर्थिक सहायता समाप्त हो गई हैं अतः यह परियोजना राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही है।

❑ राजस्थान राज्य के पशुपालन विभाग द्वारा गौवंश प्रजनन हेतु 'गोपाल' कार्यक्रम राज्य के दस दक्षिण-पूर्वी जिलों में किस वर्ष से आरम्भ हुआ- [II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)]

(1) 1991–92 (2) 1990–91 (3) 1989–90 (4) 1987–88

Ans. (2)

❑ 19वीं पशुधन गणना के अनुसार, राजस्थान में पूरे देश का लगभग.... प्रतिशत पशुधन है। [CET-11.2.2023 (S-I)][राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-02.07.2022] [Assist. Professor-8.9.2024][सहा. सांख्यिकी अधिकारी (25.08.2024)]

(1) 12.23 (2) 10.60 (3) 13.34 (4) 14.65

Ans. (2)

व्याख्या – राजस्थान में भारत का लगभग 10.60% पशुधन पाया जाता है।

❑ राजस्थान में कृषि क्षेत्र में पशु पालन का लगभग.. .... हिस्से का योगदान है- [CET-G (S-I) - 28.09.2024]

(1) 1/4वाँ (2) 1/3वाँ
(3) 3/4वाँ (4) 1/5वाँ

Ans. (2)

Scanned with OKEN Scanner

❒ 20वीं पशुधन जनगणना के अनुसार, राजस्थान में कुक्कुट जनसंख्या कितनी है ?[Food Safety Officer - 27.06.2023]
(1) 193.46 लाख (2) 106.26 लाख
(3) 146.23 लाख (4) 133.46 लाख
Ans. (3)

❒ राजस्थान की 20वीं पशुधन गणना के अनुसार, किस जिले में पशुधन की संख्या सबसे अधिक थीं?
[राज पुलिस कॉन्स्टेबल-2.7.2022][वनरक्षक-11.12.2022(S-II)]
[वनरक्षक-13.12.2022(S-II)][JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
(1) पाली (2) बूँदी (3) बाड़मेर (4) दौसा
Ans. (3) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ राज्य के किस जिले में बकरियों की संख्या सर्वाधिक है? [PTI (Grade-III)-25.9.2022]
(1) जोधपुर (2) नागौर (3) जैसलमेर(4) बाड़मेर
Ans. (4) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ पशुधन गणना 2019 के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक भैंसों की संख्या वाला जिला है?
[वनरक्षक-11.12.2022(S-I)] [Lab Assistent (Geo.)-30.06.2022]
[कनिष्ठ अनुदेशक -4.1.2025]
(1) अलवर (2) जयपुर (3) भरतपुर (4) धौलपुर
Ans. (2) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ 20वीं पशुधन गणना के अनुसार, सर्वाधिक भेड़ें पाई जाती है? [I Grade Teacher (GK) -15.10.2022]
(1) अलवर (2) बाड़मेर (3) बीकानेर (4) गंगानगर
Ans. (2) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ पशुधन जनगणना 2019 के अनुसार राजस्थान में पशुओं की संख्या कितनी है।[मूल्यांकनअधिकारी-23.8.2020]
[I Grade Teacher (GK) -17.10.2022]
(1) 337.35 लाख (2) 568.01 लाख
(3) 425.52 लाख (4) 626.71 लाख
Ans. (2) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ राजस्थान का पशुधन की दृष्टि से देश में स्थान है?
[महिला पर्यवेक्षक परीक्षा (TSP) - 20.12.2015]
(1) प्रथम (2) द्वितीय (3) तृतीय (4) चतुर्थ
Ans. (2) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

❒ पशुगणना-2019 में राजस्थान में देश के कुल पशुधन का भाग था [सहा. सांख्यिकी अधि.-27.5.2019]
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.3.2021]
(1) 7.23% (2) 12.47% (3) 10.58% (4) 14.00%
Ans. (3) *व्याख्या निम्नांकित सारणी में देखें।*

20वीं पशुधन गणना की रिपोर्ट : एक दृष्टि में

पशु	वर्ष 2019 संख्या (लाख में)	बढ़ी या घटी	भारत में स्थान	कुल पशुधन का प्रतिशत	राज्य में सर्वाधिक	राज्य में न्यूनतम
☞ गौवंश	139.12	+4.41	छठा	24.54	बीकानेर	धौलपुर
☞ ऊँट	2.13	-34.69	पहला	0.37	जैसलमेर	प्रतापगढ़
☞ भैंस	136.93	+5.53	दूसरा	24.11	जयपुर	जैसलमेर
☞ गधा	0.23	-71.31	पहला	0.04	बाड़मेर	टोंक
☞ खच्चर	0.01	-60.33	नवाँ	0.002	अलवर	टोंक
☞ घोड़ा व टट्टू	0.34	-10.85	तीसरा	0.06	जालौर	डूँगरपुर
☞ बकरी	208.40	-3.81	पहला	36.69	बाड़मेर	धौलपुर
☞ भेड़	79.04	-12.95	चौथा	13.92	बाड़मेर	बाँसवाड़ा
☞ सूअर	1.55	-34.87	17वाँ	0.27	जयपुर	डूँगरपुर
☞ **कुल पशुधन**	**568.01**	**-1.61**	**द्वितीय**	**100.00**	**बाड़मेर, जोधपुर**	**धौलपुर**

• **भारत** की 20वीं पशु गणना रिपोर्ट के अनुसार कुल **पशुधन में 1.61% (अंतरिम रिपोर्ट में 1.66%)** की कमी आई। वर्तमान में प्रदेश में प्रति हजार जनसंख्या पर पशुओं की संख्या **828** तथा **पशु घनत्व 166** प्रति वर्ग किमी. है। **20वीं पशु गणना रिपोर्ट-2019** के अनुसार **देश के कुल पशुधन का 10.58 प्रतिशत पशुधन राजस्थान में उपलब्ध है।** 20वीं पशुगणना 2019 के आँकड़ों के अनुसार पशु संसाधन की दृष्टि से **राजस्थान का देश में उत्तर प्रदेश के बाद दूसरा स्थान** है। **स्रोत :** पशुपालन निदेशालय, प्रगति प्रतिवेदन 2022-23 पृ. 1

• **21वीं पशुगणना अक्टूबर, 2024 से फरवरी, 2025 तक की गई है।**

Scanned with OKEN Scanner